mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-279 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
08 अक्टूबर 2026 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

महंगाई बढ़ी, अब कर्ज लेना और चुकाना भी महंगा

● आरबीआई की चेतावनी- आगे कीमतें और बढ़ेंगी ● इससे फेस्टिव सीजन में खरीदारी कम होने का अंदेशा

नई दिल्ली,एजेंसी। महंगाई बढ़ गई है, यह और बढ़ने वाली है, यह तय है। साथ में बैंकों से कर्ज लेना भी महंगा होने वाला है। ये बातें रिजर्व बैंक, यानी RBI की हैं। इसके चलते RBI को फरवरी 2023, यानी करीब 4 साल बाद रेपो रेट बढ़ाना पड़ा है। रेपो रेट 5.25% से बढ़ाकर 5.50% कर दिया है।

अब ये क्यों किया, इसे समझने के लिए सबसे पहले रेपो रेट समझना जरूरी है। रेपो रेट वो ब्याज दर है जिस पर बैंक RBI से कर्ज लेता है। फॉर्मूला ये है कि रिजर्व बैंक महंगा कर्ज बैंको को देगा तो बैंक लोगों को और महंगा कर्ज देंगे। इससे लोग कम कर्ज लेंगे और खर्च भी कम करेंगे। खर्च कम करेंगे तो मांग कम होगी, मांग कम होने से महंगाई काबू में रहेगी। RBI ने महंगाई का अनुमान भी बढ़ाया है। अब 2026-27 में महंगाई दर 5.2% रहने का अनुमान है, जो पहले 5.0% था। हालांकि, अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। RBI ने 2026-27 के लिए GDP ग्रोथ का अनुमान 6.7% से बढ़ाकर 7.1% कर दिया है।

RBI की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी यानी MPC की तीन दिन चली बैठक के बाद गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 7 अक्टूबर को नए फैसलों की जानकारी दी। RBI ने अपना रुख भी बदलकर 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' कर दिया है। आसान भाषा में इसका मतलब है कि फिलहाल ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश कम हो गई है। आने वाले समय में RBI दरों को स्थिर रख सकता है या जरूरत पड़ने पर इन्हें और बढ़ा सकता है।

फिलहाल ब्याज दरें घटने का रास्ता बंद... RBI ने अपना रुख बदलकर 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' कर दिया है। यानी, फिलहाल ब्याज दरों में कटौती का रास्ता पूरी तरह से बंद हो चुका है। आने वाली बैठकों में रिजर्व बैंक या तो दरों को जैसा है वैसा ही रखेगा, या फिर जरूरत पड़ने पर इन्हें और बढ़ा सकता है।

मोदी के प्रशासनिक जीवन के 25 साल पूरे:

पीएम मोदी ने कहा- भारत के विकसित होने तक न थकूंगा, न रुकूंगा, 'वी विल डू इट' हमारा संकल्प

» दिल्ली के श्री विनायक मंदिर में की पूजा-अर्चना

नई दिल्ली/वडनगर,एजेंसी। 'वी विल डू इट... हम करके दिखाएंगे।' पीएम मोदी ने बुधवार को अपने सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में इस नारे का 19 बार जिक्र किया। उन्होंने एक घंटे की स्पीच में कहा, 'जब तक भारत विकसित नहीं होता, तब तक न थकूंगा, न रुकूंगा।'

उन्होंने कहा, 'मैं महत्वाकांक्षा नहीं, मिशन के लिए जीता हूं। जिसने मुझे गिराया, उसी ने खड़ा होना सिखाया। जिसने मेरा विरोध किया, उसने लोकतंत्र की शक्ति समझाई।'

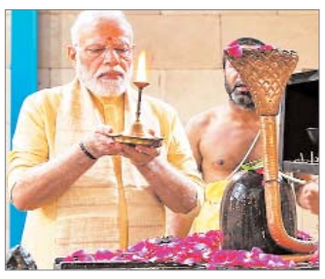

उन्होंने कहा कि 25 साल पीछे मुड़कर देखने पर उपलब्धियों से ज्यादा कृतज्ञता का भाव आता है। हर घटना ने कुछ सिखाया और नम्र होना सिखाया। उन्होंने ईश्वर से यही मांगा कि सीखने की इच्छा कभी कम न हो।

पीएम ने लक्ष्यों के लिए कहा- वी विल डू इट: मोदी ने 'वी विल डू इट' को देश के भविष्य के बड़े लक्ष्यों और संकल्पों से जोड़ा। उन्होंने कहा कि भारत के सामने आने वाले वर्षों में कई बड़े लक्ष्य हैं और इन्हें हासिल करने के लिए आत्मविश्वास, सामूहिक प्रयास और लगातार मेहनत जरूरी है।

मोदी बोले- ये समय आराम का नहीं है... पीएम ने कहा, 'हर चीज में भारत सिरमौर है। टेक्नोलॉजी, खेल, उद्योग में भारत का तिरंगा लहराए। आज पूरे विश्व में भारत के पायलट की चर्चा है। एक दिन वो भी आएगा, जब दुनिया मेड इन इंडिया प्लेन की चर्चा करेगी। ये लक्ष्य तभी पूरे होंगे, जब हम दूरदर्शी नीतियां बनाएं और परिश्रम की पराकाष्ठा करें।'

: ब्रीफ बॉक्स :

आईआईटी बॉम्बे- नकल करते पकड़े जाने पर सीधे कार्रवाई नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। छात्रों पर पढ़ाई का दबाव और आत्महत्या के मामलों को देखते हुए IIT बॉम्बे कई नियम बदलने की तैयारी में है। इसी के तहत संस्थान ने परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपों पर छात्रों के खिलाफ कार्रवाई के लिए नई एसओपी का ड्राफ्ट तैयार किया है। बीटेक छात्र साहिल वाकोडे की 18 सितंबर को आत्महत्या के बाद तैयार किए गए इस ड्राफ्ट में छात्रों को आपत्ति दर्ज कराने और मार्गदर्शन लेने का मौका देने पर जोर दिया गया है। मसौदे पर इस सप्ताह होने वाली बैठक में फैसला होगा।

नई एसओपी में नकल करते पकड़े जाने पर कार्रवाई से पहले छात्र को HOD से बात करने का मौका देने का प्रावधान हो सकता है। परीक्षा में अनुचित साधनों के मामलों में दी जाने वाली सजा की भी समीक्षा की गई है।

एक्सपर्ट बोले- एसओपी में इतनी देर क्यों: शिक्षा विशेषज्ञ महेश्वर पेरी का कहना है कि कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र भी हमारे ही बच्चे हैं। अगर घर में बच्चा कोई गलती कर दे, तो क्या हम उसके साथ ऐसा सुलूक करते हैं कि वह जान ही दे दे?उन्होंने कहा कि परीक्षा हॉल में अगर कोई छात्र गलती करता है, तो टीचर को भी उसे अपने ही बच्चे की तरह समझना चाहिए।

राजपाल यादव को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अभिनेता राजपाल यादव को निर्देश दिया है कि वह चेक बाउंस मामले में शिकायतकर्ता को देय रकम में से 2 करोड़ रुपये 13 अक्टूबर तक जमा करें। कोर्ट ने साफ कहा कि रकम जमा किए जाने के बाद ही वह हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ राजपाल यादव की याचिका पर विचार करेगा। राजपाल यादव आज खुद कोर्ट में मौजूद थे और अपने साथ 1.15 करोड़ रुपये का डिमांड ड्राफ्ट लेकर पहुंचे थे। बाकी 85 लाख रुपये 13 अक्टूबर तक उनकी संपत्ति के खरीदार के जरिए जमा किए जाने हैं, जो राजपाल के साथ कोर्ट में मौजूद था।

बार-बार मोहलत देना मजबूरी नहीं: सुप्रीम कोर्ट ने राजपाल यादव के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई और चेतावनी दी कि उनकी सजा बढ़ाई भी जा सकती है।

यूपी के 7 जिलों में बाढ़, लखनऊ में 6 दोस्त बहे

उत्तराखंड और हरियाणा में ओले गिरे; एमपी-बिहार समेत 9 राज्यों में बारिश का अनुमान

लखनऊ/नई दिल्ली,एजेंसी। देश के ज्यादातर राज्यों से मानसून लौट चुका है। हालांकि, मध्य प्रदेश के 16 जिलों में चक्रवात के असर के चलते अगले 3 दिन बारिश होने का अनुमान है। वहीं, उत्तराखंड, बिहार, हरियाणा, झारखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ और पंजाब में बारिश की संभावना है। पहाड़ों पर हुई बारिश से यूपी में 10 नदियां उफान पर हैं। लखनऊ और सीतापुर समेत 7 जिलों में और गोंडा के 10 गांवों में अभी भी बाढ़ है। लखनऊ के इटौंजा में बाढ़ के पानी के तेज बहाव में 6 दोस्त बह गए। एक की मौत हो गई। 5 को बचा लिया गया। उन्नाव में दीवार गिरने से महिला की मौत हो गई। उत्तराखंड के कई हिस्सों में मंगलवार शाम बारिश और बर्फबारी हुई। देहरादून में बारिश हुई जबकि अल्मोड़ा और उत्तरकाशी में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। वहीं, हरियाणा के पंचकूला में भी ओले गिरे। यमुनानगर में हुई तेज बारिश के कारण मंडियों में खुले में रखी धान की फसल और ट्रालियों में लदी उपज भीग गई। बिहार के मुंगेर, गयाजी, बांका मोतिहारी में मंगलवार को बारिश हुई। 6 जिलों के करीब 466 गांव अब भी बाढ़ की चपेट में हैं। करीब 8 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

हरियाणा के पंचकूला में भी ओलावृष्टि हुई, जबकि यमुनानगर में झमाझम बारिश के चलते अनाज मंडियों में खुले आसमान के नीचे रखी धान की उपज और ट्रॉलियों में लदी फसलें भीग गईं, जिससे किसानों को भारी नुकसान की आशंका है।

पहाड़ों पर बर्फबारी और ओले, मैदानी इलाकों में फसलें भीगीं... उत्तराखंड के उच्च पर्वतीय इलाकों चमोली में ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है, जबकि देहरादून में तेज बारिश और अल्मोड़ा व उत्तरकाशी में ओले गिरे हैं। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के 7 जिलों— चमोली, नैनीताल, पिथौरागढ़, बागेश्वर, अल्मोड़ा, रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी के लिए यलो अलर्ट जारी किया है।

राहुल-प्रियंका पर एफआईआर, आकाशवाणी भवन में घुसने का आरोप

8 घंटे धरना दिया था; खड़गे ने विपक्षी सांसदों को लंच पर बुलाया

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत कई विपक्षी सांसदों के खिलाफ आकाशवाणी भवन में जबरन घुसने के आरोप में FIR दर्ज की है। शिकायत आकाशवाणी की ओर से की गई है।

विपक्षी सांसद मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और SIR के विरोध में संसद से चुनाव आयोग तक 'सेव डेमोक्रेसी' मार्च निकाल रहे थे। पुलिस ने रास्ते में बैरिकेड लगाए। मार्च रोक दिया और कई नेताओं को बसों में बैठाकर प्रदर्शन खत्म कराने की तैयारी की। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी अचानक बस से उतरकर आकाशवाणी भवन के अंदर चले गए। दोनों परिसर में बरगद के पेड़ के नीचे धरने पर बैठ गए। उनके साथ कई नेता और कार्यकर्ता रात करीब 8 बजे तक यहीं बैठे रहे। प्रदर्शन के आगे का प्लान बनाने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज INDIA ब्लॉक के सांसदों को लंच पर बुलाया है।

कॉकरोच जनता पार्टी बोली- ज्ञानेश कुमार गद्दार हैं

● ऐसे लोगों के रहते सिस्टम ठीक नहीं होगा ● सिर्फ इस्तीफा नहीं, ● उनके फैसलों की जांच भी हो

नई दिल्ली,एजेंसी। सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि ज्ञानेश कुमार गद्दार हैं, देशद्रोही हैं। अब तो सुप्रीम कोर्ट ने भी बोल दिया कि ज्ञानेश कुमार झूठे नंबर वन हैं। अगर ऐसे लोग सिस्टम में बैठे रहेंगे तो देश की तरक्की कभी नहीं होगी। दरअसल, दिल्ली के प्रेस क्लब में कॉकरोच जनता पार्टी और लेफ्ट के छात्र संगठनों ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने आगे कहा कि ज्ञानेश कुमार को सिर्फ हटाया न जाए उन पर केस भी हो और उन्हें सजा मिले। एक स्वतंत्र कमेटी उनकी और उनके फैसलों की जांच करे।

केरल हाईकोर्ट: सबरीमाला मंदिर के पुजारी चयन पर कोर्ट का बड़ा आदेश

» अयोग्य उम्मीदवार को इंटरव्यू में दी एंट्री

कोच्चि,एजेंसी। केरल हाईकोर्ट ने एक अहम आदेश दिया है। कोर्ट ने सबरीमाला श्री धर्मसथा मंदिर और मलिकप्पुरम मंदिर के 'मेलसंथी' के चयन में भाग लेने से त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड की ओर अयोग्य घोषित किए गए एक उम्मीदवार को साक्षात्कार प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति दे दी है।

कोर्ट ने क्या आदेश दिया? जस्टिस राजा विजयराघवन वी और के वी जयकुमार की बेंच ने एक अंतरिम आदेश जारी किया। इसमें 56 वर्षीय राजीव एम पी को इस साल सबरीमाला-मलिकप्पुरम देवस्वोम के लिए मेलशांति (मुख्य पुजारी) चुनने के लिए 7 अक्तूबर को होने वाले इंटरव्यू में अस्थायी रूप से शामिल होने की अनुमति दी।

बेंच ने कहा, 'यह स्पष्ट किया जाता है कि ऊपर दिया गया निर्देश, सबरीमाला-मलिकप्पुरम देवस्वोम में वर्ष 1202 स्ब्ध (मलयालम युग) (2026-27) के लिए मेलशांति के पद पर चयन से जुड़े मामलों में इस कोर्ट की ओर से पारित किए जाने वाले अंतिम आदेशों के अधीन होगा।'

याचिकाकर्ता ने मांग की... इस मामले की सुनवाई के लिए 2 नवंबर की तारीख तय की गई। याचिकाकर्ता राजीव ने बोर्ड से निर्देश देने की मांग की है कि उन्हें सबरीमाला श्री धर्मशास्ता मंदिर और मलिकप्पुरम मंदिर में मेलशांति की नियुक्ति के लिए चयन प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति दी जाए। उनका कहना है कि वे बोर्ड की ओर से जारी नोटिफिकेशन और गाइडलाइंस में बताई गई शर्तों को पूरा करते हैं।

'भारत दिखा रहा दुनिया को रास्ता'

मोहन भागवत ने अशोक सिंघल का दिया उदाहरण कहा-समाज की बेहतरी के लिए करें काम

मुबंई,एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि भारत के लोगों को अपनी परंपराओं का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही समाज व दुनिया की बेहतरी के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी को एक संतोषजनक जीवन सुनिश्चित करने में योगदान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत की परंपराएं समाज और दुनिया की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने यह बात नागपुर जिले के देओलापुर में 'गौ-विज्ञान अनुसंधान केंद्र' में कई पहलों का उद्घाटन करते हुए कही, जो वीएचपी के दिवंगत अध्यक्ष अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थीं। मोहन भागवत बोले 'हमारे जीवन, समाज, धर्म की सुरक्षा और दुनिया की बेहतरी के लिए, जो रास्ता हर गुजरते दिन के साथ जरूरी होता जा रहा है। वह यह है कि भारत के लोगों को अपनी परंपराओं के अनुसार जीना चाहिए और सफल होना चाहिए। हर किसी का जीवन संतोषजनक होना चाहिए, और हम सभी को कुछ न कुछ करना चाहिए।'

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि समाज के आकार की तुलना में 'अच्छे कामों में लगे' लोगों की संख्या पर्याप्त नहीं है और उन्होंने सामाजिक कार्यों में लोगों की अधिक भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अच्छे लोगों को याद करने के दो तरीके हैं - या तो अच्छे काम करके या सिर्फ़ उन लोगों को याद करके जिन्होंने अच्छे काम किए हैं।

भागवत ने कहा... 'लोग कहते हैं कि उनके पास नौकरी है और परिवार की जिम्मेदारी है, लेकिन वे उम्मीद करते हैं कि कोई और समाज के लिए कुछ अच्छा करे।' उन्होंने आगे कहा कि जब कुछ अच्छा होता है, तो उसमें पूरे समाज का योगदान झलकता है। उन्होंने कहा कि जो लोग अपने निजी जीवन में त्याग और सहनशीलता दिखाते हैं, वे दूसरों को मुश्किल रास्ते चुनने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

मानसून सत्र स्थगित होने के बाद भी खत्म नहीं हुआ

संसद 54 दिन से बिना बैठक के, 37 साल का रिकॉर्ड टूटा; विशेष सत्र की अटकलें

नई दिल्ली,एजेंसी। संसद के मानसून सत्र की बैठकें खत्म हुए करीब दो माह होने वाले हैं, लेकिन सत्र औपचारिक रूप से समाप्त नहीं हुआ। इसके बाद विशेष सत्र की अटकलें हैं। लोकसभा और राज्यसभा को 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया गया था।

मंगलवार तक सत्रावसान की अधिसूचना जारी नहीं हुई। इस तरह दोनों सदन 54 दिन से बिना सत्रावसान के हैं। दोनों सदनों के एक साथ बिना सत्रावसान रहने की सबसे लंबी अवधि है।

इससे पहले 1989 में दोनों सदन 53 दिन ऐसी स्थिति में रहे थे। तब 18 अगस्त को दोनों सदन स्थगित हुए और सत्रावसान किए बिना 11 अक्टूबर को उसी सत्र की बैठक दोबारा शुरू हुई थी। इस बार 54 दिन पूरे होने के बावजूद न बैठक बुलाई गई है और न सत्रावसान हुआ है।

राजनीतिक हलकों में परिसीमन, लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने और महिला आरक्षण लागू करने से जुड़े अगले कदमों की भी अटकलें हैं।

अध्यादेश का रास्ता बंद पर इस सत्र में बैठक संभव... सत्रावसान नहीं होने से सरकार के पास जरूरत पड़ने पर इसी सत्र की बैठक दोबारा बुलाने का विकल्प खुला है। सत्तारूढ़ खेमे से जुड़े सूत्रों के मुताबिक आने वाले दिनों में संसद की बैठक बुलाने की संभावनाओं को लेकर चर्चा है।

भारतीय नाविकों वाले जहाज पर 48 घंटे में तीसरा हमला:

ब्लैक सी में 2 हमले, यूक्रेनी ड्रोन तेल टैंकर से टकराया; होर्मुज में भी 1 जहाज पर अटैक

मॉस्को,एजेंसी। रूस के ब्लैक सी तट के पास एक तेल टैंकर पर समुद्री ड्रोन से हमला किया गया। हमले के बाद टैंकर में आग लग गई। टैंकर पर 23 लोगों का क्रू था। सभी भारतीय नागरिक थे और उन्हें सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया।

रूस के परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, लाइबेरिया के झंडे वाले इस टैंकर पर हमले के बाद ब्लैक सी के पानी में कच्चा तेल जला। इससे रूस के रिसॉर्ट शहर सोची के कुछ हिस्सों में आसमान काले धुएं से ढक गया है।

माना जा रहा है कि यह हमला यूक्रेन की तरफ से किया गया। बीते 48 घंटे में यह तीसरी बार है जब भारतीय नाविकों वाले जहाजों को निशाना बनाया गया है।

जहाज यूक्रेन की प्रतिबंध सूची में था: लाइबेरिया के झंडे वाले इस जहाज का नाम एफ्रामैक्स रियो है। द कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक, यह यूक्रेन की प्रतिबंध सूची में शामिल था। इसे रूस के कथित शैडो फ्लीट का हिस्सा बताया गया था।

रूस का शैडो फ्लीट उन टैंकरों और जहाजों का नेटवर्क है, जिनका इस्तेमाल रूस पश्चिमी प्रतिबंधों से बचकर तेल समेत दूसरे सामान के निर्यात में करता है।

होर्मुज और ब्लैक सी में भारतीय जहाजों पर हमले... इससे पहले 5 और 6 अक्टूबर को होर्मुज स्ट्रेट और ब्लैक सी में भी भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर हमला हुआ। इन हमलों में 11 भारतीय जख्मी हुए।

रूस-यूक्रेन ने ब्लैक सी में 300 जहाजों पर हमले किए... रूस-यूक्रेन युद्ध में ब्लैक सी अब जंग का बड़ा मोर्चा बन गया है। पिछले करीब 2 महीने में दोनों देशों ने 300 से ज्यादा जहाजों को निशाना बनाया है।

संक्षिप्त समाचार

कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय में 'सिविक सेंस एवं जिम्मेदार नागरिकता' पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जयपुर। कानोड़िया पी.जी. महिला महाविद्यालय, जयपुर के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा बी.एससी. छात्राओं के लिए 'सिविक सेंस एवं जिम्मेदार नागरिकता जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में निदेशक वरुणा कुमावत ने छात्राओं को संबोधित करते हुए नागरिक जिम्मेदारियों और सामाजिक संवेदनशीलता के विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित किया कि एक जिम्मेदार नागरिक बनने की शुरुआत अपने दैनिक व्यवहार और छोटी-छोटी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से निभाने से होती है। उन्होंने छात्राओं से सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता बनाए रखने, नियमों का पालन करने तथा समाज के प्रति सकारात्मक एवं सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया।यह कार्यक्रम छात्राओं को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने तथा उनमें सकारात्मक और जिम्मेदार नागरिक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा। कार्यक्रम में रसायन विज्ञान विभाग की प्राध्यापिकाओं सहित लगभग 31 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को स्वच्छता, सार्वजनिक संपत्ति के संरक्षण, यातायात नियमों के पालन, अनुशासन, सामाजिक सहयोग तथा अपने आसपास के वातावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार के महत्व से अवगत कराया गया।

पिछले एक साल में राहुल गांधी ने जो ड्रामा किया, उस पर सचमुच तरस आता है : कुमारस्वामी

बेंगलुरु । केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि उन्हें कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग के खिलाफ किए जा रहे ड्रामे को लेकर सचमुच तरस आता है और पूरा देश इसे देख रहा है। बेंगलुरु में जेडी(एस) मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए कुमारस्वामी ने चुनाव आयोग के खिलाफ कांग्रेस पार्टी के विरोध प्रदर्शन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह मामला चुनाव आयोग पर छोड़ देना चाहिए और पूछा कि कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता इसमें क्यों शामिल हो रहे हैं। उन्होंने पूछा कि कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता इस मुद्दे को उठाकर अपना समय क्यों बर्बाद कर रहे हैं। इसे चुनाव आयोग पर छोड़ देना बेहतर है। हमें इसमें क्यों शामिल होना चाहिए। कुमारस्वामी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विपक्ष के आरोपों के आधार पर सवाल उठाए और उन्हें साबित करने के लिए सबूत मांगे। उन्होंने आरोप लगाया कि ये विरोध प्रदर्शन मीडिया में लीक हुई एक बात के आधार पर आयोजित किए जा रहे हैं और इनका मकसद चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को बदनाम करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मुद्दे का इस्तेमाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काम से जनता का ध्यान हटाने के लिए किया जा रहा है। चुनाव आयोग से मिलने का समय मांगने वाले पत्र पर चर्चा करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर विपक्षी दलों की बैठक के बारे में पूछे जाने पर कुमारस्वामी ने कहा कि इस मुद्दे को बेवजह खींचा जा रहा है। वे इस मुद्दे को जिंदा रखना चाहते हैं। इसके लिए वे ये सभी गैरजरूरी काम कर रहे हैं। इस सवाल पर कि क्या यह मुद्दा विपक्षी दलों के अस्तित्व से जुड़ा मामला है, कुमारस्वामी ने कहा कि इससे उन्हें अपनी भविष्य की राजनीति या अस्तित्व में कोई मदद नहीं मिलेगी। पीएम मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने का जिक्र करते हुए कुमारस्वामी ने प्रधानमंत्री को बधाई दी और कहा कि उन्होंने देश के विकास और अन्य देशों को प्रोत्साहित करने के विजन के साथ लगातार काम किया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की तमाम बाधाओं के बावजूद वे देश के विकास के लिए बहुत मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं।कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी रखने पर कुमारस्वामी ने कहा कि राज्य कई गंभीर मुद्दों का सामना कर रहा है, जिनमें सूखा और पीने के पानी की समस्या शामिल है। कुमारस्वामी ने दावा किया कि सिद्दारमैया ने कमजोर वर्गों के कल्याण में योगदान दिया है और आरोप लगाया कि कांग्रेस के भीतर मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम आंतरिक मुद्दों से जुड़े हुए हैं।

यूपी में आठ सड़कों का चौड़ीकरण, बनेगा फोर-लेन हाईवे, इन जिलों में विधानसभा चुनाव से पहले शुरू होगा काम

लखनऊ, एजेंसी। विधान सभा चुनाव की तैयारियों में जुटी प्रदेश सरकार पार्टी के धार्मिक एजेंडे को भी धार देने में जुटी है। इसी कड़ी में धार्मिक महत्व की आठ सड़कों को चौड़ा करते हुए फोर लेन बनाने का काम जल्द शुरू कराएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता में शामिल इन सड़कों के निर्माण पर 1346 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इन सड़कों के चौड़ा होने से संभल जिले का कल्कि धाम मंदिर, कुशीगर जिले के फाजिलनगर में स्थित जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का महापरिनिर्वाण स्थल, सीतापुर जिले में प्रसिद्ध तीर्थस्थल नैमिषारण्य (नीमसार), मुजफ्फरनगर जिले में मोरना-शुक्रतीर्थ (शुक्रताल) और बौद्ध स्थल संकिसा जैसे महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों पर पर्यटकों की आवाजाही सुगम हो जाएगी।

चार लेन की बनाई जाएंगी सड़कें: संभल जिले में संभल-जोया मार्ग एचौड़ा कम्बोह स्थित कल्कि धाम होते हुए खिरनी गंगा एक्सप्रेसवे तक 18.26 किमी लंबे मार्ग को 140.77 करोड़ रुपये की लागत से चार लेन बनाया जाएगा। सीतापुर जिले में 10 किमी लंबे कल्ली-नीमसार-पनाहगार मार्ग 92.54 करोड़ रुपये की लागत से चार लेन किया जाएगा। इन दोनों योजनाओं की फाइल स्वीकृति के लिए वित्त विभाग को भेजी गई है। सीतापुर जिले में ही लखनऊ-सीतापुर मार्ग पर स्थित सिधौली से कल्ली चौराहा होते हुए नैमिषारण्य तक लगभग 29 किमी मार्ग को 287 करोड़ रुपये की लागत से चार लेन बनाया जाएगा। इस योजना की फाइल कैबिनेट की स्वीकृति के लिए प्रस्तावित की गई है।

मोरना-शुक्रताल मार्ग का चौड़ीकरण: मुजफ्फरनगर जिले में 4.7 किमी लंबे मोरना-शुक्रताल मार्ग को चौड़ा किए जाने के लिए 22.74 करोड़ रुपये की योजना तैयार की गई है। इस सड़क की फाइल मुख्यमंत्री कार्यालय भेजी गई है। मीरजापुर जिले में शास्त्री ब्रिज से दूधनाथ तिराहा होते हुए बस्तर तिराहा तक मार्ग को चार लेन बनाने की योजना तैयार की गई है। 2.4 किमी लंबे इस मार्ग के निर्माण पर 70.30 करोड़ रुपये खर्च होगा। इस सड़क की फाइल स्वीकृति के वित्त विभाग को भेजी गई है।

इन जिलों में भी होगा काम

वहीं, फर्रूखाबाद जिले में मोहम्मदाबाद-सकिंसा मार्ग के 1.6 किमी को 14.22 करोड़ रुपये की लागत से तथा कुशीनगर जिले में फाजिलनगर-बघौचघाट मार्ग के 1.4 किमी को चार लेन बनाने के लिए 19.47 करोड़ रुपये की योजना को स्वीकृति दे दी गई है। धर्मार्थ कार्य योजना में सबसे बड़ा काम बरेली जिले में अहिच्छेत्र जैन मंदिर से आंवला होते हुए भमौरा तक की सड़क को चार लेन बनाने का काम पीडब्ल्यूडी की कार्ययोजना में शामिल है। 41 किमी लंबे इस मार्ग के लिए 699 करोड़ करोड़ रुपये की कार्ययोजना स्वीकृत की गई है। यह मार्ग भमौरा से गंगा एक्सप्रेसवे के बिनावर इंटरचेंज को जोड़ता है।

सरकार दूसरे राज्य के वेतनमान अपनाने के लिए बाध्य नहीं, हिमाचल हाई कोर्ट का फैसला,कहा- यह नीतिगत निर्णय

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने राज्य के सीनियर लैबोरेटरी तकनीशियनों को पंजाब के समान संशोधित वेतनमान देने से इन्कार कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कोई भी राज्य सरकार किसी दूसरे राज्य के वेतनमान या नियमों को अपनाने के लिए कानूनी रूप से बाध्य नहीं है। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और न्यायाधीश बिपिन चंद्र नेगी की खंडपीठ ने इस संबंध में दायर अपील को सुनवाई के बाद खारिज कर दिया। यह अपील 53 कर्मचारियों द्वारा एकलपीठ के उस फैसले के खिलाफ दायर की गई थी, जिसने उनकी इस मांग को पहले ही नामंजूर कर दिया था।

पंजाब की तर्ज पर वेतमान को लेकर दायर की थी याचिका: मूल रूप से 60 रिट याचिकाकर्ताओं में से 53 कर्मचारियों ने अपील दायर की थी।

उनकी मांग थी कि उन्हें पंजाब राज्य के सीनियर लैब तकनीशियनों की तर्ज पर 1978 से संशोधित वेतनमान दिया जाए। इसके बाद समय-समय पर हुए संशोधनों और एक जनवरी 2006 से लागू सामान्य परिवर्तन तालिका के अनुसार भी लाभ मिले। उन्होंने 1978 से बकाया राशि पर 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की भी मांग की थी।

सरकार ने किया था विरोध: सरकार ने इस मांग का विरोध किया था। सरकार का रुख था कि संविधान के अनुच्छेद 309 के तहत राज्य लोक सेवाओं पर राज्य का अपना विशेष अधिकार है। हिमाचल सरकार पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा पंजाब राज्य के संदर्भ में दिए फैसलों या वहां के वेतनमानों को हूबहू लागू करने के लिए उत्तरदायी नहीं है। सरकार ने साल 2013 में अधिसूचना के जरिए सीनियर लैब तकनीशियनों का ग्रेड पे संशोधित कर 3,600 रुपये किया था, जिसे तय तारीख से ही लागू माना जा सकता है।

वेतनमान का निर्धारण नीतिगत निर्णय: खंडपीठ ने एकलपीठ के फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि वेतनमान का निर्धारण करना नीतिगत निर्णय होता है। इसमें भर्ती का तरीका, योग्यता, पदोन्नति के अवसर, कर्तव्यों की प्रकृति और सबसे महत्वपूर्ण नियोक्ता (सरकार) की भुगतान करने की क्षमता जैसे कई कारक शामिल होते हैं। अदालत ने हाल ही में सहकारी विभाग के निरीक्षकों से जुड़े अन्य समान मामले का उदाहरण देते हुए कहा कि कानूनन एक राज्य दूसरे राज्य द्वारा तय किए वेतनमानों को मानने के लिए विवश नहीं है।

उन्हें हजारों FIR दर्ज करने दें, किसे परवाह है : केसी वेणुगोपाल

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन को लेकर दर्ज एफआईआर पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी ऐसे मामलों से डरती नहीं है और लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगी। वेणुगोपाल ने मीडिया से कहा कि उन्हें हजारों एफआईआर दर्ज करने दें। किसे इसकी परवाह है? हमें इस बात पर बहुत गर्व है कि हम इस देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए लड़ रहे हैं। यह बात उन्होंने तब कही जब इंडिया ब्लॉक के सांसद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा आयोजित लंच के लिए इकट्ठा हुए थे। यह लंच चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के एक दिन बाद हुआ। मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध मार्च के दौरान आकाशवाणी भवन में कथित तौर पर घुसने के आरोप में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने भी एफआईआर को लेकर जताई जा रही चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि ये पार्टी के लिए सम्मान का प्रतीक हैं। खेड़ा ने कहा कि क्या हम एफआईआर से डरते हैं? एफआईआर सम्मान का प्रतीक हैं। हमें किसी चीज पर हस्ताक्षर करने हैं, और हम हस्ताक्षर करेंगे क्योंकि चुनाव आयोग सभी के हस्ताक्षर चाहता है। उन्होंने कहा कि हम यहां हस्ताक्षर करने के लिए आए हैं। ईसीआई सभी लोगों के हस्ताक्षर चाहता है। फिर हम पत्र भेजेंगे।

केरल हाई कोर्ट ने राज्य में एम्स की स्थापना को लेकर केंद्र से सवाल किया

कोच्चि । केरल हाई कोर्ट ने बुधवार को राज्य में अखिल भारतीय आयुर्वेद विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना के लंबे समय से लंबित प्रस्ताव पर केंद्र के रुख पर सवाल उठाया है। कोर्ट ने पूछा कि क्या केरल की अपेक्षाकृत बेहतर स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना इस प्रमुख चिकित्सा संस्थान को प्राप्त करने में बाधा बन गई है। मुख्य न्यायाधीश सौमेन सेन और न्यायमूर्ति श्याम कुमार की खंडपीठ प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के तहत केरल में एम्स की स्थापना की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। केंद्र ने कहा कि कमजोर स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना वाले राज्यों को प्राथमिकता दी जा रही है और केरल में पहले से ही अपेक्षाकृत बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मौजूद हैं। इस पर न्यायालय ने इस तर्क को गंभीरता से लिया और सवाल किया कि क्या केंद्र के इस रुख का मतलब यह है कि केरल को एम्स की आवश्यकता नहीं है। न्यायालय ने यह भी सवाल किया कि क्या बड़ी संख्या में निजी अस्पतालों की उपस्थिति को अयोग्यता माना जा सकता है। पीठ ने केरल की उच्च जनसंख्या घनत्व की ओर इशारा करते हुए पूछा, 'यहां निजी अस्पताल अधिक हैं। क्या यह अयोग्यता है? ' पीठ ने यह भी प्रश्न किया कि राज्य किन विशिष्ट मानदंडों को पूरा करने में विफल रहा है। अदालत ने केरल को अपेक्षाकृत उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण बाहर रखे जाने के तर्क पर सवाल उठाते हुए कहा कि एम्स संस्थान दिल्ली समेत देश के अन्य समृद्ध क्षेत्रों में स्थापित किए जा चुके हैं।

कैसे बची कैप्टन स्मित की जान: लगातार बह रहा था खून, होंठ भी पड़ गए थे नीले, अब डॉक्टर ने खुद बताई हकीकत

तेल अवीव, एजेंसी। तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में हुई चाकूबाजी से हर कोई हैरान है। 170 से ज्यादा यात्रियों की जान बचाने वाले पायलट स्मित मच्छार इसके असली हीरो रहे। दरअसर, उनके सह-पायलट ने अल हमाम ने अचानक उनपर चाकू से हमला कर दिया था। इसके बाद विमान काफी नीचे आ गया था। कुछ ही सेकंड में विमान क्रैश भी हो सकता था। लेकिन स्मित ने हार नहीं मानी। खून से लथपथ होने के बावजूद स्मित ने मुकाबला किया और मौका मिलते ही कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। इस दौरान चार यात्रियों ने तुरंत दौड़ लगाई। कुछ ने हमलावर को पकड़ा। एक ने विमान संभाला। उन्हीं चार में से एक दांतों के डॉक्टर भी थे। उन्होंने तुरंत स्मित को संभाला और उनकी जान बचाने पूरी ताकत झोंक दी। एक इंटरव्यू में जॉर्जियाई दंत

चिकित्सक डॉ. शुता मुसाएव ने इस बारे में बात की। उन्होंने बताया कि करीब 45 मिनट तक वो लगातार घावों पर दबाव बनाए रखे रहे। बर्फ की मदद से खून रोकने की कोशिश की। कपड़ों और बर्फ से कैसे रोका गया खून मुसाएव ने बताया कि कैप्टन के सिर और बाएं हाथ से बहुत ज्यादा खून निकल रहा था। उन्होंने पहले टी-शर्ट को घाव पर रखकर दबाव बनाया, लेकिन खून नहीं रुका। इसके बाद उन्होंने विमान के कर्मचारियों से बर्फ मांगी। कैप्टन के घाव बहुत गहरे थे, इसलिए कई आइस पैकेट इस्तेमाल करने पड़े। मुसाएव ने करीब 45 मिनट तक घाव पर दबाव बनाए रखा और बर्फ लगाते रहे। उनका कहना था कि जब भी वह खून देखने के लिए टी-शर्ट हटाते थे, खून फिर तेज बहने लगता था। जब नब्ज गिर गई तो दंत चिकित्सक ने क्या किया मुसाएव लगातार कैप्टन की हालत देखते रहे। वह उनसे बात करते रहे ताकि वह बेहोश न हों। उन्होंने कैप्टन से उनके बच्चों के बारे में पूछा और कहा कि वह जल्द अपने परिवार के पास लौटेंगे। कैप्टन ने अपना नाम और उम्र बताई। उन्होंने बताया कि वह भारत से हैं और दुबई में रहते हैं।

इस्राइल पर हमास के हमले के तीन साल, तब से जारी संघर्ष में अब कैसे हैं हालात, कितनी बदली तस्वीर

यरुशलम, एजेंसी। हमास के इस्राइल पर किए गए हमले को आज तीन साल पूरे हो गए हैं। उस दिन से शुरू हुआ हमास-इस्राइल संघर्ष आज भी जारी है। हालांकि, इस दौरान गाजा में बहुत कुछ बदल चुका है। ऐसे में आइए जानते हैं कि तीन साल पहले आखिर हुआ क्या था इसके बाद शुरू हुए हमास-इस्राइल संघर्ष में अब तक क्या-क्या हो चुका है इस संघर्ष में कितने लोग मारे गए कितना नुकसान हुआ मौजूदा स्थिति क्या है तीन साल पहले आखिर क्या हुआ था 7 अक्तूबर 2023 की सुबह यहूदी धर्म के प्रमुख त्योहार सिम्हत तोराह के दिन गाजा पट्टी से इस्राइल पर अचानक बड़ा हमला हुआ। हमास और दूसरे सशस्त्र समूहों ने एक साथ बड़ी संख्या में रॉकेट दागे। इसके बाद लड़ाकों ने गाजा और इस्राइल के बीच सुरक्षा अवरोध को कई जगहों से तोड़ा और जमीन, समुद्र और हवा के रास्ते दक्षिणी इस्राइल में दाखिल हुए। रॉयटर्स के मुताबिक, शुरुआती रॉकेट हमले में हमास ने करीब 3,000 रॉकेट दागने की बात कही थी, जबकि इस्राइली सेना ने संख्या करीब 2,500 बताई थी। लड़ाके मोटराइज्ड पैराग्लाइडर और नावों के जरिए भी इस्राइल में पहुंचे। हमलावरों ने गाजा सीमा के पास मौजूद कई कस्बों, किबुत्ज और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। नोवा म्यूजिक फेस्टिवल में मौजूद लोग भी हमले की चपेट में आए। इस्राइली अधिकारियों के अनुसार, हमले में 1,200 से ज्यादा लोग मारे गए और 251 लोगों को बंधक बनाकर गाजा ले जाया गया। इसके बाद इस्राइल ने क्या किया हमले के कुछ ही घंटों बाद इस्राइल ने युद्ध की घोषणा कर दी। इसके बाद गाजा पर हवाई हमले शुरू हुए और अक्तूबर के शुरुआती दिनों में ही इस्राइल ने गाजा की नाकाबंदी कड़ी कर दी। 13 अक्तूबर को इस्राइल ने उत्तरी गाजा और गाजा सिटी के निवासियों को दक्षिण की ओर जाने का आदेश दिया। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग अपने घर छोड़कर दक्षिणी हिस्सों में चले गए। 27 अक्तूबर को इस्राइल ने गाजा में बड़े पैमाने पर जमीनी सैन्य अभियान शुरू किया। शुरुआत उत्तरी गाजा से हुई और बाद में अभियान दक्षिण की ओर बढ़ा। इस्राइल का कहना था कि सैन्य कार्रवाई का लक्ष्य हमास की सैन्य क्षमता को खत्म करना और बंधक इस्रायली लोगों को वापस लाना है।

ट्रंप ने बताया डॉलर क्यों मजबूत: अमेरिका की महंगाई पर भी बोले

ईरानी अर्थव्यवस्था और होर्मुज पर किया ये दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। पिछले कई महीनों से लगातार अमेरिका में महंगाई बढ़ती नजर आ रही थी। हालांकि, रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में ये दावा किया गया कि महंगाई कम तो हुई है, लेकिन खत्म नहीं हुई है। अगस्त के आंकड़े कछ दिन पहले ही आए। इसमें बताया गया कि थोड़ी बढ़ोतरी जरूर दर्ज की गई है, लेकिन यह विश्लेषकों के अनुमानों से कम रही है। इसी बीच ट्रंप से अमेरिका में बढ़ती हुई महंगाई पर सवाल पूछा गया। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास इस समय बहुत मजबूत डॉलर है। इसकी वजह यह है कि अमेरिका अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने मजबूत डॉलर को कई तरह से फायदेमंद बताया। ट्रंप के अनुसार मजबूत डॉलर देश को आर्थिक मजबूती देता है। उन्होंने खास तौर पर महंगाई का जिक्र करते हुए कहा कि मजबूत डॉलर से महंगाई नहीं होती। उनका कहना था कि मजबूत मुद्रा का सीधा फायदा अर्थव्यवस्था को मिलता है और इससे कीमतों पर दबाव कम रखने में मदद मिलती है।

होर्मुज में नया युद्धपोत, सऊदी में 200 सैनिक, क्या अमेरिका में चुनाव से पहले कुछ बड़ा करेंगे ट्रंप

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान युद्ध को शुरू हुए अब सात महीने से ज्यादा समय हो चुका है। सैन्य क्षमता में अपने से कई गुना छोटी ताकत ईरान के सामने अमेरिका का कोई बड़ी कामयाबी हासिल न कर पाना उसके लिए अब चिंता का मुद्दा बन गया है। खासकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी के लिए, जिन्हें अब अगले महीने मध्यावधि चुनाव का सामना करना है। यह चुनाव भले ही ट्रंप के पद या उनकी शक्तियों पर सीधा असर न डालें, लेकिन इन्हें राष्ट्रपति के दो साल के कार्यकाल और नीतियों की बड़ी परीक्षा कहा जा रहा है। खासकर ईरान संघर्ष में अमेरिका की अब तक की मुश्किलें ट्रंप के कार्यकाल के कई कामों पर भारी पड़ती दिख रही है और अमेरिकी जनता ने खुलकर राष्ट्रपति की युद्ध नीति का विरोध किया है। ईरान युद्ध को लेकर अपनी घटती लोकप्रियता और मध्यावधि चुनावों की चिंता के बीच अब ट्रंप प्रशासन पर्दे के पीछे कुछ बड़ी तैयारियां

करता दिख रहा है। हालिया समय में इससे जुड़े कुछ संकेत भी मिले हैं, जिनमें एयरक्राफ्ट कैरियर को खाड़ी देशों के करीब भेजना, सैनिकों की अतिरिक्त तैनाती, आदि। माना जा रहा है कि ट्रंप गुपचुप तरीके से ईरान से निपटने की योजना बना रहे हैं। आइये जानते हैं कि अमेरिका में ईरान युद्ध को लेकर हालिया समय में क्या-क्या हुआ है इन तैयारियों का सीधा रिश्ता मध्यावधि चुनाव से कैसे जुड़ा है अमेरिका की गुप्त योजनाओं को लेकर ईरान क्या कर रहा है गुप्त बैठकों का दौर कब-कहां हुआ उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कैंप डेविड में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा टीम की कई घंटे लंबी अघोषित बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में विदेश मंत्री मार्को रुबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ, सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ और शीर्ष सैन्य प्रमुख डैन केन शामिल थे। बैठक में ईरान नीति के साथ-साथ यमन में सऊदी-हूती संघर्ष पर गोपनीय चर्चा की गई और आगे के रणनीतिक विकल्पों को अंतिम रूप दिया गया। पश्चिम एशिया में अमेरिका का कितना सैन्य जमावड़ा अमेरिका पश्चिम एशिया में 9,000 से 10,000 अतिरिक्त अमेरिकी सैन्यकर्मियों को भेज रहा है। इसमें एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट पर तैनात स्ट्राइक ग्रुप और यूएसएस मेकिन आइलैंड पर तैनात एम्फीबियस ग्रुप शामिल हैं। एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस जॉर्ज एचडब्ल्यू बुश और यूएसएस जॉर्ज वॉशिंगटन पहले से ही इस क्षेत्र में तैनात हैं, जिनके सहयोग के लिए यूएसएस बॉक्सर एम्फिबियस ग्रुप भी समुद्री अभियानों के लिए जुड़ा है। इस नए जमावड़े के बाद पश्चिम एशिया में अमेरिका के पास कुल तीन एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप और दो एम्फिबियस ग्रुप मौजूद हैं। इसके अलावा ईरान के जवाबी हमलों से सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पैट्रियट एयर-डिफेंस सिस्टम भी तैनात किए जा रहे हैं। चुनाव से पहले बढ़ती महंगाई बनी सिरदर्द अमेरिका में ईरान नीति और सैन्य तैयारियों का सीधा संबंध आगामी मध्यावधि चुनावों से जुड़ा हुआ है। दरअसल, ईरान संघर्ष की वजह से अमेरिका में पेट्रोल और डीजल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। इसके असर से उत्पाद महंगे हो रहे हैं और अमेरिका में महंगाई दर काफी उच्च स्तर पर है। हालिया सर्वेक्षणों के मुताबिक, 10 में से 9 मतदाता मानते हैं कि ईरान संघर्ष की वजह से तेल की कीमतें बढ़ी हैं। रिपब्लिकन सीनेटर जॉन कैनेडी सहित अन्य नेताओं ने माना है कि ईरान युद्ध के कारण मुद्रास्फीति फिर से बढ़ रही है, जिससे चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। जनमत और राष्ट्रपति की अप्रूवल रेटिंग क्विनिपियाक पोल के मुताबिक, पंजीकृत मतदाताओं में से सिर्फ 28% ट्रंप की ओर से युद्ध से निपटने के तरीके का समर्थन करते हैं, जबकि 66% लोग इसे नापसंद करते हैं। इसका असर मध्यावधि चुनाव में पड़ने की आशंका है। डेमोक्रेटिक नेताओं, जैसे सीनेटर मार्क केली का आरोप है कि प्रशासन ने बिना किसी स्पष्ट रणनीतिक लक्ष्य या 'एग्जिट प्लान' के युद्ध शुरू किया, जिससे गोला-बारूद खत्म हो रहा है और जनता पर महंगाई का बोझ पड़ा है। अमेरिका में हालिया समय में हुए सर्वेक्षणों में ट्रंप की ईरान नीति की भारी आलोचना हो रही है। सीएनएन और एसएसआरएस के एक हालिया सर्वे में सामने आया है कि अमेरिका में हर तीन में से दो लोगों का मानना है कि ट्रंप प्रशासन ईरान के खिलाफ युद्ध नहीं जीत रहा है और राष्ट्रपति इस संघर्ष को खत्म करने के लिए जरूरी कदम नहीं उठा पा रहे हैं। बताया जा रहा है कि अमेरिकियों की ट्रंप से युद्ध को लेकर इस नाखुशी का नतीजा मध्यावधि चुनाव में दिख सकता है।

तीन दिन में समाधान नहीं हुआ तो फिर आंदोलन तेज करेगी एनएसयूआई

एपीएसयू में छात्र समस्याओं और कथित अनियमितताओं को लेकर पत्रकार वार्ता, मांगें पूरी नहीं हुईं तो जल सत्याग्रह और मशाल जुलूस करेंगे -पंकज उपाध्याय

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में छात्रों की समस्याओं, कथित दोहरे मापदंड और विभिन्न अनियमितताओं को लेकर एनएसयूआई का आंदोलन जारी है बुधवार को एनएसयूआई जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने पत्रकार वार्ता कर अब तक किए गए आंदोलन और आगामी रणनीति की जानकारी दी उन्होंने कहा कि संगठन की लड़ाई किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि छात्रों के अधिकार उनके भविष्य और विश्वविद्यालय में कथित अनियमितताओं की जांच की मांग को लेकर है पंकज उपाध्याय ने बताया कि 26 सितंबर से आंदोलन की शुरुआत हुई थी। एनएसयूआई ने विश्वविद्यालय के सभागार में छात्र कार्यक्रम के लिए अनुमति मांगी थी, लेकिन अनुमति नहीं मिलने का आरोप लगाया गया संगठन का दावा है कि इसी दौरान एबीवीपी के

कार्यक्रम को सभागार की अनुमति दी गई और उसमें विश्वविद्यालय के कुलपति मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसके विरोध में धरना-प्रदर्शन के बाद विश्वविद्यालय का घेराव किया गया उन्होंने बताया कि इसके बाद करीब दो किलोमीटर की दंडवत परिक्रमा कर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। विश्वविद्यालय के कुलपति और प्राध्यापकों की सद्बुद्धि के लिए यज्ञ भी किया गया। 5 अक्टूबर को विश्वविद्यालय गेट के बाहर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के लिए टेंट लगाया गया था पंकज उपाध्याय के अनुसार प्रशासन और पुलिस ने टेंट हटाकर उन्हें और उनके साथियों को थाने ले जाया। बाद में जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, प्रदेश महामंत्री गुरमीत सिंह मंगू और अन्य वरिष्ठ नेताओं के पहुंचने के बाद उन्हें मुचलके पर छोड़ा गया।

तीन दिन का समय, समाधान नहीं तो आंदोलन: एनएसयूआई जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रशासन ने मांगों पर कार्रवाई के लिए तीन दिन का समय मांगा है उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित अवधि में ठोस कार्रवाई नहीं हुई, कार्यक्रम की अनुमति नहीं मिली और जिन मामलों की जांच की मांग की गई है उनमें जांच शुरू नहीं हुई तो संगठन दोबारा आंदोलन करेगा। इसके तहत जल सत्याग्रह और मशाल जुलूस निकालने की बात कही गई है। **परीक्षा, छात्रवृत्ति और नियुक्तियों की जांच की मांग:** एनएसयूआई ने परीक्षा एवं परिणाम में देरी दूर करने, एनईपी से जुड़ी समस्याओं का समाधान, तीन वर्ष से लंबित छात्रवृत्ति और मेधावी-संबल योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग रखी है इसके अलावा वित्तीय अनियमितताओं, टेंडर प्रक्रिया, विजिटिंग फैकल्टी के नाम पर नियुक्तियों और यूजीसी नियमों के कथित उल्लंघन की जांच की मांग की गई है संगठन ने शारीरिक शिक्षा विभाग के संचालक रामभूषण मिश्रा को कई विभागों का प्रभार दिए जाने, पीएचडी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों की भी निष्पक्ष जांच की मांग की।

संगठन के विवाद पर भी दी सफाई: पत्रकार वार्ता में पंकज उपाध्याय ने संगठन के भीतर हाल में सामने आए विवाद पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग उनकी छवि खराब करने का प्रयास कर रहे हैं उन्होंने कहा कि उनके पास संबंधित रिकॉर्डिंग और अन्य साक्ष्य मौजूद हैं जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर सार्वजनिक किया जाएगा आर्थिक लेन-देन से जुड़े आरोपों को उन्होंने निराधार बताया और कहा कि यदि किसी के पास उनके खिलाफ कोई प्रमाण है तो उसे सार्वजनिक किया जाए ।

ब्लिंकिट कर्मचारियों की सड़क पर पार्किंग से जाम, जिला प्रशासन से कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सिरमौर चौराहा के पास समदड़िया गोल्ड के बाजू से नरेंद्र नगर की ओर जाने वाली सड़क पर ब्लिंकिट के कर्मचारियों द्वारा मोटरसाइकिलें खड़ी करने से जाम की स्थिति बनने का आरोप लगाया गया है इस संबंध में अधिवक्ता कुलदीप सिंह सोमवंशी ने जिला प्रशासन से सड़क पर सुचारु आवागमन की व्यवस्था कराने की मांग की है जारी प्रेस विज्ञप्ति में कुलदीप सिंह सोमवंशी ने बताया कि समदड़िया गोल्ड के पास स्थित सड़क पर ब्लिंकिट के वर्कर बड़ी संख्या में मोटरसाइकिलें सड़क के दोनों ओर खड़ी कर देते हैं इससे सड़क का काफी हिस्सा पार्किंग में तब्दील हो जाता है और आम लोगों को निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ता है उन्होंने कहा कि न्यायालय से संबंधित कार्य के बाद समदड़िया गोल्ड के पास से अपने घरों की ओर जाने वाले लोगों को भी कई बार रास्ता बाधित होने के कारण परेशानी होती है सड़क के दोनों ओर मोटरसाइकिलें खड़ी होने से वाहनों के आवागमन के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचती और जाम की स्थिति बन जाती है।

प्रशासन से व्यवस्था सुधारने की मांग: कुलदीप सिंह सोमवंशी ने जिला प्रशासन से मांग की है कि समदड़िया गोल्ड से नरेंद्र नगर जाने वाली सड़क पर वाहनों की अनधिकृत पार्किंग को व्यवस्थित कराया जाए उन्होंने कहा कि सड़क पर आवागमन बाधित न हो इसके लिए संबंधित स्थान पर आवश्यक यातायात व्यवस्था और पार्किंग संबंधी उचित प्रबंध किए जाने चाहिए।

उन्होंने प्रशासन से मामले का संज्ञान लेकर सड़क को आम नागरिकों के सुगम आवागमन के लिए व्यवस्थित और जाम मुक्त रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

खड़हुली में शासकीय जमीन के रिकॉर्ड से छेड़छाड़ का आरोप, 400 करोड़ की क्षति का दावा

तत्कालीन तहसीलदार, नायब तहसीलदार और दो पटवारियों पर गंभीर आरोप, ईओडब्ल्यू से जांच की मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहडोल जिले की ब्यौहारी तहसील अंतर्गत ग्राम खड्डुली में शासकीय भूमि और राजस्व अभिलेखों में कथित हेरफेर का मामला सामने आया है कांग्रेस पिछड़ा वर्ग के राष्ट्रीय समन्वयक कुंवर सिंह पटेल ने आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) में शिकायत देकर तत्कालीन राजस्व अधिकारियों और संबंधित पटवारियों की भूमिका की जांच कर आपराधिक कार्रवाई की मांग की शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज मध्य प्रदेश शासन, गैर हकदार और चरनोई भूमि की प्रविष्टियों में कथित तौर पर नियम विरुद्ध बदलाव कर उन्हें निजी स्वामित्व की भूमि के रूप में दर्ज किया गया और बाद में उनका विक्रय किया गया। शिकायत के अनुसार ग्राम खड्डुली की करीब 40 आराजियों के

रिकॉर्ड में कथित रूप से हेरफेर किया गया। आरोप है कि रिकॉर्ड से शासकीय भूमि से संबंधित प्रविष्टियां हटाने के बाद संबंधित जमीनों के विक्रय दस्तावेज तैयार किए गए शिकायतकर्ता ने इस पूरी प्रक्रिया से मध्य प्रदेश शासन को करीब 400 करोड़ रुपये की आर्थिक क्षति होने का दावा किया है।

राजस्व अधिकारियों की भूमिका पर सवाल: शिकायत में तत्कालीन नायब तहसीलदार अमित मिश्रा, तत्कालीन तहसीलदार भुवनेश्वर सिंह तथा पटवारी राजेंद्र द्विवेदी और प्रदीप तिवारी की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं आरोप लगाया गया है कि तत्कालीन नायब तहसीलदार द्वारा प्रकरण क्रमांक 00178-अधि-7402023-24 में 3 अगस्त 2023 को पारित आदेश के आधार पर कुछ भूमियों के रिकॉर्ड से गैर शब्द हटाया गया वहीं चरनोई और मध्य प्रदेश शासन की भूमि के रिकॉर्ड में भी सक्षम अनुमति या आदेश के बिना बदलाव किए जाने का आरोप है। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि रिकॉर्ड में कथित बदलाव के बाद भूमि के विक्रय दस्तावेज तैयार हुए जिनमें कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों के परिजनों तथा रिश्तेदारों के नाम सामने आए हैं हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

न्यायालय के आदेश का हवाला: कुंवर सिंह पटेल ने शिकायत में ब्यौहारी न्यायालय के 25 सितंबर 2026 के आदेश का भी हवाला दिया है उनका कहना है कि न्यायालय ने मामले में संज्ञान लेते हुए भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत परिवाद स्वीकार किया है ।

सीधी में तीन अभ्यर्थियों को अनुकंपा नियुक्ति, कलेक्टर ने जारी किए पदस्थापना आदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों के अनुपालन में सीधी जिले में अनुकंपा नियुक्ति के लिए पात्र पाए गए तीन अभ्यर्थियों की नियुक्ति एवं पदस्थापना के आदेश जारी किए गए हैं कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिला स्तरीय समिति द्वारा प्रकरणों के परीक्षण और आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति के बाद नियुक्ति आदेश जारी किए जारी आदेश के अनुसार मीनू सिंह, पति स्व. नाग्रेश सिंह, निवासी जेडी-19, शिल्पी ग्रीन्स, बदरांव, जिला रीवा; अरमान सिंह, पिता स्व. आनंद बहादुर सिंह, निवासी बहेरा पोस्ट जियावन, तहसील देवसर, जिला सिंगरौली तथा सतेन्द्र साकेत, पिता स्व. रामनाथ साकेत, निवासी इटौरा पोस्ट सराय, तहसील रामपुर बघेलान, जिला सतना को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई है। तीनों अभ्यर्थियों की पदस्थापना कार्यालय कलेक्टर (राजस्व स्थापना), जिला सीधी में की गई है नियुक्ति मध्यप्रदेश शासन के निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अधीन रहेगी।

19,500 रुपए प्रारंभिक वेतन: नियुक्त अभ्यर्थियों को सातवें वेतनमान के तहत 19,500-62,000 रुपए का वेतनमान निर्धारित किया गया है उन्हें प्रारंभिक मूल वेतन 19,500 रुपए के साथ शासन द्वारा समय-समय पर स्वीकृत महंगाई भत्ता एवं अन्य अनुमन्य लाभ प्राप्त होंगे।

तीन वर्ष की परिवीक्षा: तीनों नियुक्तियां अस्थायी रूप से तीन वर्ष की परिवीक्षा अवधि के लिए की गई नियुक्त अभ्यर्थियों को निर्धारित सेवा शर्तों का पालन करना होगा इसके अलावा नियुक्ति के लिए मान्यता प्राप्त संस्था से एक वर्षीय कंप्यूटर डिप्लोमा तथा सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण करने की शर्त भी निर्धारित की गई है जिला प्रशासन के अनुसार अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया में जिला स्तरीय समिति द्वारा संबंधित प्रकरणों का परीक्षण किया गया पात्रता और आवश्यक दस्तावेज पूरे होने के बाद नियुक्ति एवं पदस्थापना के आदेश जारी किए गए हैं ।

रीवा में पहली बार होगा भव्य रंगीलो रास गरबा रात्रि सीजन-1, 14 से 16 अक्टूबर तक पद्मधर पार्क में सजेगा गरबा महोत्सव

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शारदेय नवरात्रि के अवसर पर रीवा शहर में पहली बार भव्य रंगीलो रास गरबा रात्रि सीजन-1 का आयोजन होने जा रहा तीन दिवसीय गरबा और डांडिया महोत्सव 14, 15 एवं 16 अक्टूबर को शहर के ऐतिहासिक पद्मधर पार्क में आयोजित किया जाएगा आयोजन को लेकर बुधवार को जॉन टावर स्थित कॉफी हाउस में प्रेस वार्ता कर आयोजकों ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी महोत्सव का आयोजन शाइनिंग स्टार्स डांस एकेडमी के हिमांशु श्रीवास्तव और द ताज इवेंट के अभय कश्यप एवं उनकी सहयोगी टीम द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य रीवा और आसपास के क्षेत्र के लोगों को ऐसा मंच उपलब्ध कराना है जहां पारंपरिक गरबा संस्कृति के साथ संगीत, नृत्य, मनोरंजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संगम देखने को मिले।

ओपन गरबा रहेगा मुख्य आकर्षण: आयोजकों ने बताया कि तीन दिनों तक चलने वाले महोत्सव में **ओपन गरबा प्रमुख आकर्षण रहेगा। निर्धारित पास के माध्यम से शहर के आम नागरिक और गरबा प्रेमी आयोजन में शामिल होकर गरबा और डांडिया का आनंद ले सकेंगे। इसके अलावा लाइव म्यूजिक, डीजे, पारंपरिक एवं सांस्कृतिक फैशन शो, स्वादिष्ट व्यंजनों के फूड स्टॉल और विभिन्न आकर्षक पुरस्कारों की भी व्यवस्था रहेगी।

ग्रैंड फिनाले में सेलिब्रिटी गेस्ट: कार्यक्रम के अंतिम दिन आयोजित होने वाले ग्रैंड फिनाले को खास बनाने के लिए सेलिब्रिटी गेस्ट के रूप में प्रिया मिश्रा की विशेष उपस्थिति रहेगी वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला कांग्रेस कमेटी रीवा के ग्रामीण अध्यक्ष इंजीनियर राजेंद्र शर्मा शामिल होंगे आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विशिष्ट अतिथियों और कलाकारों के शामिल होने की भी जानकारी दी गई

पारिवारिक आयोजन का दावा: आयोजक समिति ने बताया कि पूरा कार्यक्रम पारिवारिक माहौल में आयोजित किया जाएगा आयोजन स्थल पर सुरक्षा, अनुशासन और भारतीय संस्कृति का विशेष ध्यान रखने की बात कही गई है समिति ने रीवा के नागरिकों, युवाओं और गरबा प्रेमियों से बड़ी संख्या में आयोजन में शामिल होने की अपील की है आयोजकों का कहना है कि रास गरबा रात्रि सीजन-1 के माध्यम से रीवा में नवरात्रि उत्सव को एक नए सांस्कृतिक मंच से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। तीन दिनों तक पद्मधर पार्क में गरबा, डांडिया, संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का रंग देखने को मिलेगा।

स्वयं सहायता समूह से बदली सरला की जिंदगी, बनीं लखपति दीदी

समूह से मिला आर्थिक संबल, 65 हजार रुपए का ऋण लेकर शुरू किया व्यवसाय

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मझौली विकासखंड के ग्राम सिलवार की रहने वाली सरला तिवारी के जीवन में स्वयं सहायता समूह से जुड़ना बदलाव का महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ कभी घरेलू कार्यों तक सीमित रहने वाली सरला आज अपने व्यवसाय के माध्यम से आत्मनिर्भर बनी हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में योगदान दे रही उनकी सफलता ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणादायक बन रही है। सरला तिवारी मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर स्वयं सहायता समूह की सदस्य बनीं समूह की नियमित बैठकों में भाग लेने, बचत करने और विभिन्न गतिविधियों से जुड़ने के साथ उनमें आत्मविश्वास बढ़ा। उन्होंने समूह के माध्यम से वित्तीय लेन-देन, बचत और ऋण की प्रक्रिया को समझा तथा आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी शुरू की।

20 हजार रुपए के चक्रीय कोष से मिली शुरुआत: समूह को चक्रीय कोष के रूप में 20 हजार रुपए की राशि प्राप्त हुई समूह की सदस्यों ने इस राशि का आपसी लेन-देन किया और समय पर राशि वापस की इस प्रक्रिया से सरला को व्यवसाय शुरू करने के लिए आर्थिक आधार मिला साथ ही उनमें अपने स्तर पर कुछ करने का आत्मविश्वास भी विकसित हुआ समूह की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के बाद प्रथम चरण में समूह को 1.50 लाख रुपए की सीसी लिमिट प्राप्त हुई इसमें से सरला ने 65 हजार रुपए का ऋण लेकर अपना व्यवसाय शुरू किया उन्होंने मेहनत और लगन के साथ व्यवसाय को आगे बढ़ाया। धीरे-धीरे उनकी आय में वृद्धि हुई और परिवार की आर्थिक स्थिति भी बेहतर होने लगी।

हर महीने 10 से 12 हजार रुपए की आय: आज सरला तिवारी अपने व्यवसाय से प्रतिमाह लगभग 10 से 12 हजार रुपए की आय अर्जित कर रही हैं आर्थिक रूप से सशक्त होकर वे लखपति दीदी की श्रेणी में शामिल हो चुकी हैं सरला का कहना है कि स्वयं सहायता समूह ने उन्हें केवल आर्थिक सहयोग ही नहीं दिया बल्कि अपने पैरों पर खड़े होने और आगे बढ़ने का आत्मविश्वास भी दिया। सरला अपनी सफलता का श्रेय मध्यप्रदेश शासन की योजनाओं, मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन की गतिविधियों तथा मिशन की टीम से मिले निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग को देती हैं सरला तिवारी की कहानी बताती है कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर दे रहे हैं आज सरला स्वयं आत्मनिर्भर बनने के साथ गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनी हुई हैं।

प्राचार्य की शिकायत लेकर कलेक्टर से मिलने पैदल निकले 200 छात्र

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जैतपुर क्षेत्र के बिरौड़ी एकलव्य आवासीय विद्यालय के करीब 200 विद्यार्थी बुधवार को प्राचार्य से जुड़ी शिकायतें लेकर कलेक्टर से मिलने के लिए पैदल निकल पड़े विद्यार्थियों का कहना था कि वे अपनी समस्याएं सीधे कलेक्टर के सामने रखना चाहते हैं स्कूल से शहडोल की दूरी 70 किलोमीटर से अधिक होने के बावजूद छात्र पैदल ही आगे बढ़ते रहे और करीब 15 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर ली विद्यार्थियों के पैदल निकलने की सूचना मिलने के बाद प्रशासन सक्रिय हुआ। शहडोल से एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार और एसी ट्राइबल आनंद राय सिन्हा सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को रास्ते में रोककर

उनसे बातचीत की और उनकी शिकायतें सुनीं प्रशासन की ओर से समस्याओं के निराकरण का भरोसा भी दिया गया लेकिन विद्यार्थी कलेक्टर से सीधे मुलाकात करने की मांग पर अड़े रहे।

स्कूल से निकलते ही लगाए नारे: विद्यार्थियों का आरोप है कि विद्यालय के प्राचार्य से संबंधित कई शिकायतें हैं वे इन शिकायतों को स्थानीय स्तर के अधिकारियों के सामने रखने के बजाय सीधे कलेक्टर के समक्ष रखना चाहते थे इसी मांग को लेकर विद्यार्थी स्कूल परिसर से पैदल रवाना हुए। रास्ते में वे अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। प्रशासन की ओर से पहले प्राचार्य और स्कूल प्रबंधन ने विद्यार्थियों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया इसके बाद बीईओ, बीआरसी और एसी ट्राइबल सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और छात्रों से चर्चा की।

छात्राओं ने भी छोड़ा हॉस्टल: छात्रों से अधिकारियों की बातचीत चल रही थी, तभी बिरौड़ी एकलव्य छात्रावास की छात्राएं भी हॉस्टल से बाहर निकलकर अधिकारियों से मिलने के लिए रवाना हो गईं। जैतपुर पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन छात्राएं भी अपनी बात अधिकारियों तक पहुंचाने की मांग पर कायम रहीं सूचना मिलने के बाद एडीएम समेत अन्य अधिकारियों का दल छात्राओं से बातचीत करने के लिए रवाना हुआ। लंबी दूरी और बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने दो बसें मौके पर भेजीं कुछ विद्यार्थी बसों में बैठ गए, जबकि कई छात्र पैदल ही आगे बढ़ते रहे।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस सीधी में छात्र-छात्राओं ने ली नशामुक्ति की शपथ

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों की दी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने की सामूहिक शपथ दिलाई गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई

विद्यार्थियों को स्वस्थ, अनुशासित और नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश: राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दिलीप सोनी और डॉ. गंगा बैरागी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा शक्ति देश की महत्वपूर्ण शक्ति है युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराई से बचाना केवल व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं बल्कि परिवार और समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि युवाओं में जागरूकता बढ़ाकर नशे के खिलाफ सकारात्मक वातावरण तैयार किया जा सकता है।

विद्यार्थियों ने लिया सामूहिक संकल्प: कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि वे किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ का सेवन नहीं करेंगे साथ ही अपने परिवार, मित्रों और समाज के लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे विद्यार्थियों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में डॉ. राममिलन प्रजापति, डॉ. उमेश कुमार सोनी, डॉ. सरोज सिंह, डॉ. सुखेंद्र सिंह, डॉ. प्रतिभा सिंह और डॉ. रमाकांत पांडेय सहित महाविद्यालय के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन नशामुक्त युवा-स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र के संदेश के साथ हुआ इस दौरान विद्यार्थियों ने नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने और समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

एसआईआर पर सियासत से बढ़ता भ्रम

संपादकीय

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के विरोध में विपक्षी दलों और विशेष रूप से कांग्रेस की आक्रामकता जिस तरह बढ़ती जा रही है और उसने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सड़कों पर उतरने का जो फैसला किया, उससे इस प्रक्रिया को लेकर विवाद ही बढ़ रहा है। इसके कारण कुछ लोगों के मन में संशय भी पैदा हो रहा है। यह किसी के भी हित में नहीं, क्योंकि निष्पक्ष चुनावों के लिए मतदाता सूचियों का सही होना जरूरी है। यह एक तथ्य है कि मतदाता सूचियों को शुद्ध करने और खासकर उनसे फर्जी-अपात्र वोटरों को बाहर करने की मांग कांग्रेस समेत सभी दल करते रहे हैं। यह प्रक्रिया नई भी नहीं हैं। इतना अवश्य है कि चुनाव आयोग की सुस्ती के चलते यह करीब दो दशकों बाद हो रही है। बिहार से शुरू हुई यह प्रक्रिया जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे उसे गलत बताने का विपक्ष का अभियान तेज हो रहा है। वास्तव में इसी इरादे से कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने इसे वोट चोरी का नाम दे दिया है।

यह तब है, जब सुप्रीम कोर्ट इस प्रक्रिया को आवश्यक मान रहा और उसे आगे बढ़ाने की अनुमति भी दे रहा है। सुप्रीम कोर्ट लंबे समय से एसआईआर प्रक्रिया की सुनवाई कर रहा है। अब उसे इसे लेकर अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचना चाहिए और चुनाव आयोग को उन तौर-तरीकों को अपनाने के लिए कहना चाहिए, जिनसे यह प्रक्रिया सुगम तरीके से संपन्न हो सके और किसी पात्र मतदाता को शिकायत का अवसर न मिले। यह सही है कि एसआईआर जैसी व्यापक प्रक्रिया में कुछ न कुछ त्रुटियां होंगी, लेकिन चुनाव आयोग को यह चाहिए कि वह इसे यथासंभव त्रुटिरहित बनाए। इसी के साथ उसे ऐसे भी उपाय करने चाहिए, जिससे यह प्रक्रिया सतत चलती रहे और लोगों के लिए सुविधाजनक भी हो, ताकि हर वैध मतदाता अपना नाम वोटर लिस्ट में शामिल करा सके। उचित यह होगा कि चुनाव आयोग एसआईआर के मामले में लोगों को आवेदन करने या अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाने के लिए समयसीमा में न बांधे।

उसकी ओर से समयसीमा तय कर देने से यह संदेश निकलता है कि यदि किसी कारण किसी का नाम वोटर लिस्ट में शामिल होने से रह गया तो वह मताधिकार से वंचित हो जाएगा। इस आशंका को दूर करना सुप्रीम कोर्ट का भी काम है और चुनाव आयोग का भी। एसआईआर के मामले में यह भी समय की मांग है कि सभी राजनीतिक दल चुनाव आयोग का सहयोग करें। विपक्षी दलों का यह रवैया ठीक नहीं कि वे एसआईआर की छोटी-मोटी कमियों को लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश बताकर लोगों को गुमराह करने का काम करें। आखिर जब सुप्रीम कोर्ट एसआईआर को लेकर की जा रही सभी शिकायतों की सुनवाई कर रहा है।

चार चरणों में पंचायती राज चुनाव से गांवों की सियासी तस्वीर होगी साफ

कांतिलाल मांडोत

राजस्थान में लंबे समय से पंचायती राज चुनाव का इंतजार कर रहे ग्रामीण मतदाताओं का इंतजार अब खत्म हो गया है। राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायत चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। प्रदेश में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव चार चरणों में 23 अक्टूबर, 29 अक्टूबर, 4 नवंबर और 14 नवंबर को होंगे। इनके परिणाम 20 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। इसी तरह सरपंच और वार्ड पंचों के चुनाव चार चरणों में 25 अक्टूबर, 31 अक्टूबर, 6 नवंबर और 16 नवंबर को होंगे तथा मतदान के दिन ही परिणाम सामने आ जाएंगे। इसके बाद 25 नवंबर को जिला प्रमुख और 27 नवंबर को प्रधानों का चुनाव होगा। कोटा, श्रीगंगानगर, बारां और करौली जिलों में जिला प्रमुख और प्रधान के चुनाव दिसंबर में होंगे।

चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में आचार संहिता लागू हो गई है। अब सरकार नई योजनाओं की घोषणा, नए उद्घाटन और शिलान्यास नहीं कर सकेगी। सरकारी मशीनरी के इस्तेमाल और तबादलों पर भी प्रतिबंध रहेगा। हालांकि पहले से स्वीकृत और प्रक्रिया में चल रहे विकास कार्य नियमों के अनुसार जारी रह सकेंगे। आचार संहिता का उद्देश्य यही है कि चुनाव के दौरान सरकारी संसाधनों अथवा घोषणाओं के जरिए मतदाताओं को प्रभावित न किया जा सके।

इस बार का पंचायती राज चुनाव कई मायनों में महत्वपूर्ण है। राजस्थान के इतिहास में पहली बार पंचायत चुनाव व्यापक स्तर पर एक साथ कराए जा रहे हैं। प्रदेश की 41 जिला परिषदों और 457 पंचायत समितियों में चुनाव होंगे। जिला परिषद के 1,403 और पंचायत समिति के 8,245 सदस्यों का चुनाव इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों से होगा, जबकि सरपंच और वार्ड पंचों के चुनाव मतपत्रों के जरिए होंगे। कुल मिलाकर करीब 1.69 लाख पंचायती राज प्रतिनिधियों के चुने जाने का रास्ता साफ हुआ है। 1.44 करोड़ से अधिक ग्रामीण मतदाता अपने प्रतिनिधियों का चयन करेंगे।

इस चुनाव में महिलाओं की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण रहने वाली है। पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है। इससे बड़ी संख्या में महिलाएं सरपंच, उपसरपंच और वार्ड पंच के रूप में निर्वाचित होंगी। आरक्षण व्यवस्था ने ग्रामीण राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को लगातार बढ़ाया है और इस बार भी गांवों की सत्ता में महिलाओं की भूमिका निर्णायक रहने की संभावना है।

अब सवाल है कि चुनाव में किसका पलड़ा भारी दिखाई देता है। इसका सीधा उत्तर चुनाव परिणाम आने से पहले देना उचित नहीं होगा, लेकिन हाल के राजनीतिक परिणामों और ग्रामीण मुद्दों को देखकर मुकाबले की तस्वीर समझी जा सकती है। राजस्थान में विधानसभा चुनाव 2023 में भाजपा ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया था। इसके बाद लोकसभा चुनाव 2024 में भी भाजपा ने राज्य की अधिकांश सीटों पर बढ़त बनाए रखी, हालांकि पिछली तुलना में कांग्रेस ने अपनी स्थिति में सुधार किया। इसके बाद हुए उपचुनावों और स्थानीय राजनीतिक घटनाक्रमों ने भी यह संकेत दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मुकाबला एकतरफा नहीं है। इसलिए पंचायती राज चुनाव में संगठन, स्थानीय प्रत्याशी, जातीय और सामाजिक समीकरण तथा गांव के विकास कार्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

भाजपा के पक्ष में सबसे बड़ा आधार राज्य में सत्ता और उसका संगठनात्मक ढांचा माना जा सकता है। सरकार के स्तर पर किए गए विकास कार्यों, योजनाओं के क्रियान्वयन और बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने की रणनीति का असर ग्रामीण चुनाव में दिखाई दे सकता है। दूसरी ओर कांग्रेस के पास लंबे समय से गांवों में मौजूद स्थानीय संगठन, पुराने राजनीतिक संबंध और कई क्षेत्रों में मजबूत सामाजिक आधार है। यही कारण है कि जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव विधानसभा या लोकसभा चुनावों से अलग परिणाम दे सकते हैं। यहां पार्टी के बड़े नेताओं से ज्यादा स्थानीय उम्मीदवार की व्यक्तिगत पकड़ और गांव में उसकी स्वीकार्यता प्रभाव डालती है।

पंचायती राज चुनावों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि ग्रामीण मतदाता स्थानीय समस्याओं को सीधे अपने मतदान से जोड़ता है। गांव में सड़क कैसी है, पेयजल की स्थिति क्या है, बिजली कितनी नियमित मिलती है, नाली और सफाई की व्यवस्था कैसी है।

श्राद्ध पक्ष में कौवा क्यों को भोजन दिया जाता है

हिंदू धर्म में श्राद्ध पक्ष या अन्य अवसरों पर कौवे को भोजन इसलिए कराया जाता है क्योंकि उन्हें पितरों (पूर्वजों) का रूप और यमराज का संदेशवाहक माना जाता है ऐसी मान्यता है कि हमारे पूर्वज कौवे का रूप धारण कर धरती पर आते हैं और परिजनों द्वारा दिया गया भोजन ग्रहण करते हैं ।पितृ देवता किसी इंसान का जन्म तय करते हैं । वे सप्तऋषियों से निकले हैं । इस दुनिया में जन्म का क्रम इस प्रकार है: सप्तऋषि-पितृ देवता-देवता और इंसान ।वेदों में चार वर्ण (जाति के आधार पर नहीं, भक्ति के आधार पर समुदाय) बताए गए हैं: ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र । वेदों ने पितृ देवताओं की उत्पत्ति इन 4 वर्णों (समुदायों) के अंतर्गत बताई है ।अथर्ववेद, 4392 मंत्र, पितृ देवताओं के रहने के बारे में बताता है ।

- संजय गोस्वामी

दुनिया के तीन लेवल हैं; पहला पानी वाला, दूसरा एटॉमिक (सूक्ष्म) लेवल; और तीसरा प्रकाशमय दुनिया (ज्ञान वाली दुनिया), जहाँ पितृ देवता रहते हैं।वेदों में उनके रहने का ज़िक्र आसमान और स्वर्ग के बीच में भी किया गया है। उनके रहने के स्थान को पितृलोक कहा जाता है। सप्तऋषियों से निकले होने की वजह से, सात पितृ देवता हैं, जिनमें से तीन हमेशा बिना किसी रूप के हमेशा आनंद में रहते हैं। बाकी चार रूप धारण करते हैं।हमारे पूर्वज अपने सूक्ष्म शरीर के साथ अमर रहते हैं, जबकि वे पितृ लोक में रहते हैं। इसीलिए, वे अपने दिल की पवित्रता के आधार पर अपने करीबी रिश्तेदारों से बात करते हैं। जिन्होंने जीवन भर ध्यान किया है, वे शरीर छोड़ने पर तपोलोक में चले जाते हैं।जहां अग्नि में चढ़ाना देवताओं को चढ़ाना माना जाता है, वहीं 'श्राद्ध कर्म' करना पितृ देवताओं को चढ़ाना है।जहां कर्म हमारे जन्म और पुनर्जन्म तय करते हैं, वहीं पितृ देवता कर्म के नियमों को लागू करने के लिए ज़िम्मेदार हैं। वे कर्म की फिलॉसफी के अनुसार हमारे जीवन को आकार देते हैं।पावन पितृतीर्थ गया जी में पिंडदानियों का आगमन आरंभ हो गया है ।सभी धर्मों में हिंदू धर्म ही ऐसा धर्म है, जो पुनर्जन्म को मानता है ।इसके बारे में अनेक भ्रांतियाँ हैं ।अच्छे-अच्छे लोग आधुनिक युग में पितृलोक,पितर,श्राद्ध, पिंडदान आदि को कपोल कल्पना मानते हैं । सनातन धर्म का मूलाधार वेद है ।प्रत्येक हिंदू को वेद में आस्था होनी चाहिए ।क्या वेद में इसकी चर्चा है? आइये ,वैदिक प्रमाणों के आधार पर प्रश्नोत्तर रूप में विचार करें :- *जीवनामायु:प्रतिर त्वमग्न पितृणां लोकमपि गच्छन्तु येमृताः।अथर्ववेद(12/2/45)* अग्ने !आप प्राणियों की आयुष्य बढ़ाएँ और जिनका निधन हो चुका है, वे पितर लोक को प्राप्त करें । हे पिता ! जिन पुरातन मार्गों से हमारे पूर्वज पितरगण गये हैं, उन्हीं से आप भी गमन करें ।वहाँ स्वधारुप अमृतान्न से तृप्त होकर राजा यम और वरुणदेवों के दर्शन करें । *प्रेहि प्रेहि पथिभिः पूर्वाणैर्येना ते पूर्वे पितरः परेताः।* *उभा राजानौ स्वधया मदन्तौ यमं पश्यसि वरुणं च देवम।अथर्व-(18/2/54)* इन वैदिक ऋचाओं से पितर,पितृलोक,पितृयोनि के साथ यमलोक में मृतात्माओं के भाग्य निर्णय करने के लिए दो अधिकारी नियुक्त हैं -यम और वरुण - ऐसा सिद्ध होता है। अंतरिक्ष के उस तीसरे स्थान पर पितर रहते हैं, जो प्रद्यौनाम से प्रख्यात है । *तृतीया ह प्रद्यौरिति यस्यां पितर आसते।अथर्व-(18/2/48)* मैं जब इन विषयों पर वेद को देख रहा था, तो वहाँ इससे संबद्ध असंख्य ऋचाएँ हैं ।मैं पितृपक्ष में इन्हीं वैदिक और पौराणिक तथ्यों के आधार पर विषयों का विवेचन करुँगा, जिससे कुछ भ्रांति दूर हो सके। वेद में श्राद्ध करते समय पिण्डवेदी के चारों ओर जलती कुशा को आलातचक्र की भाँति घुमाने का भी वेद में विधान है ।इसका कारण यह है कि बहुत सी आसुरी आत्माएँ क्रोधादि दुर्गुण उत्पन्न करके श्राद्ध को बाधित कर स्वयं फल लूटने की ताक में रहती है। इसी के निवारण के लिए वेद ने उल्काभ्रमण का आदेश दिया है । *अपहताः असुरा रक्षांसि वेदिषदः।(अथर्व 2/29)* अर्थात् यज्ञभूमि में विद्यमान आसुरी शक्तियाँ नष्ट हो गई हैं। *पितृणामसुररक्षसानि न विमथ्नते त स्मात्पर स्ताद् लम् क विदधाति।शतपथ(2/4/2/14)* अर्थात् पितृकृत्य को असुर और राक्षस उपद्रुत नहीं कर पाएँ,एतदर्थ चारों ओर उल्मुक (जलता मराड़) घुमाया जाता है । यमलोक में गोदान एक मात्र सहायक है । *सर्वान् कामान् यमराज्ये वशा प्रददुषे दुहे।(अथर्व 12/4/36)* अर्थात् वशा(गाय)दान करने वाले दाता की संपूर्ण कामनाएँ यम (अनुशासन) के राज्य में पूर्ण होती है। सनातन परंपरा में श्राद्ध में सर्वोत्तम पशु गाय,सर्वाधम पशु कुत्ते और सर्वाधम पक्षी काक को खीर खिलाने की वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना के दर्शन होते हैं। *यौ ते श्वानौ यमरक्षितारौ।(अथर्व 18/2/12)* अर्थात् हे मृत्युदेव यम !आपके गृहरक्षक, मार्गरक्षक जो दो श्वान हैं । *गोभ्यो नमः श्वभ्यो नमः काकेभ्यो नमः।आह्निककर्म* अर्थात् गाय ,कुत्ते और काकों के लिए यह बलि है। इन पितृयज्ञ (श्राद्ध)में पिण्डदान,तर्पण और हवन कराने वाले वेदवत्ता आचार्यों को दक्षिणा नहीं देने से सारे कृत निष्फल हो जाते हैं । *दक्षिणावतामिदिमानि चित्रा दक्षिणावतां दिवि सूर्यासः।* *दक्षिणावन्तो अमृतं भजन्ते* *दक्षिणावन्तः प्र तिरन्त आयुः।।(ऋग 1/125/6)* अर्थात् दक्षिणा प्रदान करने वालों को ही विलक्षण उपलब्धियाँ प्राप्त होते हैं ।दिव्य लोक में भी सूर्यदेव उनके लिए ही स्वास्थ्य प्रदान करते हैं ।दक्षिणादाता ही अमर पद प्राप्त करते हैं तथा प्रसन्नता में दानी के प्रति शुभकामनाओं से दक्षिणादाता की आयु में वृद्धि होती है । मालपूवा आदि भोगों के ग्रहण करने के संबंध में वेद कहता है :-*अपूपापिहितान् कुम्भान् यांस्ते देवा अधारयन।* *ते ते सन्तु स्वधावन्तो मधुमन्तो घृतश्चुतः।।(अथर्व 18/4/25)*अर्थात् हे पितृदेव !(यान्) जो(अपूपापिहितान्) मालपूवों से ढके(कुम्भान्) घट (ते)आपके लिए(देवाः) अग्नि, विश्वदेव आदि श्राद्ध देवताओं ने(अधारयन्) धारण किये हैं, (ते ते)वे वे सब(मधुमन्तः)मधु से युक्त और(घृतश्च्युतः)जिनसे घी चू रहा हो, ऐसे पदार्थ आपके लिए (स्वधावन्तः) तृप्ति करने वाला(सन्तु)हो।इस प्रकार संपूर्ण श्राद्ध कर्मों का प्रथमतः वेदों में निरुपण हुआ है। श्राद्ध-पक्ष में जब हम पितरों के निमित्त सश्रद्धापूर्वक अन्न अर्पित करते हैं, तब अनेक स्थानों पर कौए को भी अन्न का ग्रास देने की परम्परा दिखाई देती है। प्रश्न उठता है–आखिर कौए को ही भोजन क्यों कराया जाता है? क्या इसके पीछे कोई सशास्त्रीय आधार है? इस विषय का एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्राचीन प्रमाण श्रीमद्वाल्मीकीय सरामायण, सउत्तरकाण्ड, अष्टादश सर्ग में प्राप्त होता है।॥ रावण, राजा मरुत्त और सदेवताओं का प्रसंग॥ रावण पृथ्वी पर भ्रमण करते हुए उशीरबीज नामक स्थान पर पहुँचा। वहाँ राजा मरुत्त देवताओं के साथ यज्ञ कर रहे थे और महर्षि संवर्त उस यज्ञ को सम्पन्न करा रहे थे। वाल्मीकि रामायण कहती है :– ततो मरुत्तं नृपतिं यजन्तं सह दैवतैः । उशीरबीजमासाद्य ददर्श स तु रावणः॥ 7.18.2॥ अर्थात् सउशीरबीज पहुँचकर रावण ने राजा मरुत्त को देवताओं के साथ यज्ञ करते हुए देखा। रावण को देखकर देवता उसके भय से विभिन्न तिर्यग्योनियों अर्थात् पशु-पक्षियों के रूप में छिप गए। इसी प्रसंग में देवताओं द्वारा उन पशु-पक्षियों को वरदान दिए जाने का वर्णन आता है। ---------- ॥ धर्मराज यम का कौए को वरदान॥ इसी क्रम में धर्मराज यम ने कौए को संबोधित करके कहा :– मृत्युतस्ते भयं नास्ति वरान्मम विहङ्गम । यावत्त्वां न वधिष्यन्ति नरास्तावद्भविष्यसि॥ 7.18.28॥ अर्थात् :– 'हे पक्षी ! मेरे वरदान से तुम्हें मृत्यु का भय नहीं होगा। जब तक मनुष्य तुम्हें नहीं मारेंगे, तब तक तुम जीवित रहोगे।' इसके ठीक अगले श्लोक में कौए और यमलोकवासी मनुष्यों के बीच श्राद्ध-परम्परा से संबंधित अत्यंत महत्वपूर्ण बात कही गई है– एते मद्विषयस्था वै मानवाः क्षुद्भयार्दिताः । त्वयि भुक्ते तु तृप्तास्ते भविष्यन्ति सबान्धवाः ॥ 7.18.29 ॥ भावार्थ– 'मेरे अधिकार-क्षेत्र में रहने वाले ये मनुष्य भूख के भय से पीड़ित हैं। तुम्हारे द्वारा भोजन किए जाने पर वे अपने बन्धु-बान्धवों सहित तृप्त होंगे।' यह श्लोक वाल्मीकि रामायण उत्तरकाण्ड 18.29 में उपलब्ध है। यही प्रसंग कौए को अन्न देने की परम्परा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण आधार प्रस्तुत करता है। ---------- ॥ इसका शास्त्रीय आशय क्या समझना चाहिए? ॥ यहाँ एक बात विशेष रूप से समझने योग्य है। शास्त्र का आशय यह नहीं कि प्रत्येक कौआ ही किसी निश्चित मृत व्यक्ति का स्थूल शरीर या वही पितर है। बल्कि धर्मपरम्परा में कौए को अन्न अर्पित करना पितृकर्म से सम्बद्ध एक विधि/बलि के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है। वायुपुराण में भी काकबलि का स्पष्ट उल्लेख मिलता है :– 'ततः काकबलिं दद्यात्...' और आगे वायसों को पृथ्वी पर समर्पित पिण्ड ग्रहण करने का आह्वान किया गया है– 'ऐन्द्रवारुणवायव्ययाम्या वै नैर्ऋतास्तथा । वायसाः प्रतिगृह्णन्तु भूमौ पिण्डं समर्पितम् ॥' अर्थात् विभिन्न दिशाओं में स्थित वायसगण इस पृथ्वी पर समर्पित पिण्ड को ग्रहण करें। वायुपुराण के श्राद्ध-प्रसंग में वायस को अन्न देने का भी उल्लेख मिलता है– 'ओदनं वायसं सर्पिर्मधुमूलफलानि च । भक्ष्यांश्च विविधान्दत्त्वा प्रेत्य चेह च मोदते ॥' अर्थात् कौए के लिए अन्न आदि प्रदान करने की परम्परा केवल लोकाचार नहीं, बल्कि पुराणीय श्राद्ध-विधान में भी दिखाई देती है। ----------॥ कौए को पितरों का प्रतीक क्यों माना गया? ॥ यहाँ 'प्रतीक' शब्द को ठीक प्रकार से समझना आवश्यक है। कौए को भोजन कराना अपने-आप में सम्पूर्ण श्राद्ध नहीं है। श्राद्ध का मूल आधार है– श्रद्धा, पितृस्मरण, तर्पण, पिण्डदान, विधिपूर्वक अन्नदान तथा यथाशक्ति ब्राह्मण-सत्कार आदि। काकबलि उसी पितृकर्म-परम्परा का एक अंग है। इसीलिए केवल यह मान लेना कि :– 'कौआ आया तो पितर आए, और कौआ नहीं आया तो पितर नाराज़ हैं '–शास्त्रीय विषय को अत्यधिक सरल बना देना होगा। वाल्मीकि रामायण का श्लोक इससे अधिक गंभीर बात कहता है–धर्मराज यम स्वयं कौए को ऐसा वर प्रदान करते हैं कि उसके द्वारा भोजन किए जाने पर यमलोकस्थित मनुष्यों की तृप्ति का विधान जुड़ता है। ---------- ॥ इसलिए श्राद्ध में कौए को अन्न देना केवल अंधविश्वास नहीं ॥ आज कभी-कभी प्रश्न किया जाता है– 'भला कौए को भोजन कराने से हमारे दिवंगत पितरों को भोजन कैसे मिल सकता है?' इस प्रश्न का उत्तर आधुनिक भौतिक तर्क से नहीं, बल्कि श्राद्ध की शास्त्रीय संकल्पना से समझना चाहिए। सश्राद्ध-कर्म में अर्पित वस्तु का फल केवल उसके स्थूल रूप को देखकर निर्धारित नहीं किया जाता। कर्म, मन्त्र, संकल्प, श्रद्धा और शास्त्रविहित विधि–इन सबका अपना धार्मिक तात्पर्य है।

जैसे अग्नि में दी गई आहुति को केवल अग्नि के भीतर जलता हुआ पदार्थ मानकर यज्ञ का अर्थ समाप्त नहीं किया जा सकता, वैसे ही काकबलि को भी केवल 'एक पक्षी को खाना खिलाना' समझ लेना अधूरा दृष्टिकोण है। ---------- ॥ एक आवश्यक शास्त्रीय सावधानी ॥ यह भी ध्यान रखना चाहिए कि वाल्मीकि रामायण 7.18.29 को अकेले उद्धृत करके यह कहना उचित नहीं होगा कि श्राद्ध की सम्पूर्ण विधि केवल इसी एक श्लोक से सिद्ध होती है। यह श्लोक विशेष रूप से यम द्वारा कौए को दिए गए वरदान और उसके भोजन से यमलोकस्थित मनुष्यों की तृप्ति का प्रसंग बताता है। दूसरी ओर, वायुपुराण जैसे ग्रन्थों में काकबलि और वायसों को पिण्ड समर्पण का स्वतंत्र उल्लेख मिलता है। कौए को भोजन कराना पितृकर्म की एक प्राचीन और शास्त्रसमर्थित परम्परा है; परन्तु इसे सम्पूर्ण श्राद्ध का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए। पितृपक्ष केवल किसी मृत पूर्वज को याद करने के कुछ दिनों का नाम नहीं है। यह अपने अस्तित्व की जड़ों को स्मरण करने का अवसर है। जिनके कारण हमारा शरीर है, जिनके कारण हमारा कुल है, जिनके कारण हमें संस्कार और परम्परा मिली– उन पितरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना ही श्राद्ध की आत्मा है। इसीलिए :– श्रद्धया दीयते इति श्राद्धम श्रद्धा से किया गया पितृस्मरण, तर्पण, पिण्डदान, अन्नदान और यथाविधि काकबलि–ये सब केवल कर्मकाण्ड नहीं, बल्कि पितृऋण के प्रति हमारी कृतज्ञता की अभिव्यक्ति हैं।॥ पितृदेवताभ्यो नमः॥ स्वधा नमः॥ सर्वे पितरः तृप्यन्तु ॥ यह श्लोक और मंत्र श्राद्ध, तर्पण या पिंडदान के समय पितरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए बोला जाता है।

नरेन्द्र मोदी ने रचा 25 वर्षों के स्वर्णिम सुशासन का कीर्तिमान

यह वह ऐतिहासिक दिन होगा, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री और तत्पश्चात देश के प्रधानमंत्री के रूप में 7 अक्टूबर 2026 को अपनी राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण कर यह भारत के राजनैतिक परिदृश्य में नया रिकार्ड होगा। उन्होंने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में तथा 26 मई 2014 को देश के प्रधानमंत्री के रूप में दायित्व संभाला था। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का सुशासन, गरीब कल्याण और राष्ट्र प्रथम का संकल्प आज उनकी समावेशी राजनीति की पहचान बन चुका है। उनकी जनकल्याणकारी योजनाओं से भारत समरस विकास के नये सोपान नापते हुए सतत् गतिमान है।

सुरेश पचौरी

मोदी के दौर में गुजरात की विकास यात्रा

श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्यमंत्री रहते हुए गुजरात में अभूतपूर्व विकास हुआ। बुनियादी ढांचे, जल, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, उद्योग और सामाजिक विकास के क्षेत्रों में सराहनीय कार्य हुए, जिसने एक आत्मविश्वासी, प्रगतिशील और आकांक्षी गुजरात की नींव रखी। 2003 में शुरू हुए वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट में निवेशकों, बड़े उद्यमियों और नीति निर्माताओं को एक साथ लाया गया, जिससे संयुक्त उपक्रमों, व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिला। गुजरात में प्रारंभ ज्योतिग्राम योजना ने 1,290 करोड़ रुपये के निवेश के माध्यम से 18,000 से अधिक गांवों में 24 घंटे तीन-फेज बिजली पहुंचाई। गुजरात 2003-04 में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना लागू करने तथा 2006 में अपनी स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत सिकल सेल एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम शुरू करने वाला देश का पहला राज्य बना। 2001 और 2014 के बीच गुजरात के विकास ने विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी परियोजनाओं के साथ जन-केंद्रित पहलों को जोड़ा और दीर्घकालिक विकास की नींव रखी। मोदी जी के कुशल नेतृत्व में गुजरात में विकास की ऐसी ठोस बुनियाद रखी गई, जिसे कालांतर में गुजरात माडल के रूप में जाना गया।

संकल्प से सिद्धि तक : श्री नरेन्द्र मोदी की राष्ट्रसेवा यात्रा

श्री नरेन्द्र मोदी ऐसे तपे-तपाए जननेता हैं, जिनमें कुंदन की कठोरता भी है और चंदन की शीतलता भी विद्यमान है। उनके चिंतन में राष्ट्र, राष्ट्रबोध एवं राष्ट्रहित सर्वोपरि है। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने तमाम ऐसे फैसले लिए जो राष्ट्र के लिए हितकारी थे। चाहे धारा 370 की समाप्ति हो, भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण हो या सीमाओं की अभेद्य सुरक्षा हो। चंद्रयान-3 व ब्रिक्स सम्मेलन की सफलता से लेकर मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत तक, उनके हर कदम ने भारत को सशक्त बनाया है। स्वच्छ भारत से जल जीवन मिशन तक, उज्जवला योजना से आयुष्मान भारत तक, किसान सम्मान निधि से लखपति दीदियों की आत्मनिर्भरता तक, हर योजना का एक ही ध्येय रहा है कि सबका जीवन बेहतर हो और भारत समर्थ बने। रक्षा के क्षेत्र में तो भारत पूर्णतः आत्मनिर्भर बन चुका है। श्री नरेन्द्र मोदी की जनसेवा के ये 25 वर्ष सिर्फ सत्ता के उपभोग के नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के विश्वास पर खरा उतरने, उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने और भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने के हैं।

श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्रित्व काल पर नज़र डालें तो स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मोदी जी के मार्गदर्शन में युवाओं में नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ाने के लिए स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और डिजिटल स्किल इंडिया जैसी योजनाओं का सूत्रपात हुआ। आज भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। हमारी जीडीपी वृद्धि दर भी 7.8% है। साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के करोड़ों परिवारों को पक्के घर दिए गये। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लाखों शौचालयों का, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कराया गया। उज्जवला योजना के माध्यम से गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान कर उनके स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा की गई। बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के मद्देनजर आयुष्मान भारत योजना शुरू की गई, जिससे 60 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य बीमा का सुरक्षा कवच मिला। जल जीवन मिशन से हर घर को नल से जल उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया जा रहा है। सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और डिजिटलीकरण में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिल रही है। ग्रामीण भारत में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में मेट्रो और स्मार्ट सिटी जैसी योजनाएं मूर्तरूप ले रही हैं।

मोदी जी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार का सिद्धांत है- रिफार्म, परफार्म एवं ट्रांसफॉर्म। इस सरकार ने गरीबों के सम्मान, युवाओं के सामर्थ्य, किसानों की समृद्धि व महिलाओं के सशक्तिकरण को राष्ट्र निर्माण का विशेष आधार बनाया। मोदी जी ने किसानों की आर्थिक दशा सुधारने के लिए अनेक योजनाओं का प्रावधान किया। महिला सशक्तिकरण मोदी के विकास एजेंडे का प्रमुख हिस्सा है। तीन तलाक कानून की समाप्ति से मुस्लिम महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। मातृवंदन योजना, नारी शक्ति वंदन और 33 प्रतिशत आरक्षण से महिलाओं के जीवन में नई उम्मीद जगी है। केन्द्र सरकार का लक्ष्य तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का है, जिनमें से डेढ़ करोड़ से अधिक लखपति दीदी अपना गरिमामय जीवन जी रही हैं। बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ अभियान से बेटियों का आत्मसम्मान बढ़ा है।

मोदी जी के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी खूबी यह है कि समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति पर उनकी नजर सबसे पहले पहुंचती है। सर्वहारा वर्ग के दिल की बात की जाए तो जिसको किसी ने नहीं पूछा, उसे हमारे कर्मयोगी प्रधानमंत्री श्री नरेंन्द्र मोदी ने पूजा। व्यक्तित्व एवं कृतित्व : एक युगदृष्टा की पहचान मोदी जी के 25 वर्षों की इस अनवरत राष्ट्रसेवा के कालखण्ड में उनके व्यक्तित्व में तपस्वी, युगदृष्टा और जननायक के दर्शन होते हैं। उनकी अविराम राष्ट्रसेवा संकल्प से सिद्धि का प्रतिबिम्ब है। उन्होंने बीते 25 वर्षों के दौरान एक दिन भी अवकाश नहीं लिया। अपने बहुआयामी और विराट व्यक्तित्व से आज मोदी जी समूचे विश्व में शीर्ष नेता के रूप में जाने-पहचाने जाते हैं। मोदी जी को 36 देशों ने अपने सर्वोच्च सम्मान से विभूषित किया है। उन्होंने अपने कुशल नेतृत्व में विगत 25 वर्षों में वाइब्रेंट गुजरात से लेकर भारत को विश्व मंच पर प्रतिष्ठापित किया है। श्री मोदी की जब हम 25 वर्षों की सुशासन यात्रा को देखते हैं तो यह स्पष्ट होता है कि यह भारत के पुनरुत्थान की यात्रा है। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने सिखाया कि राज्य का विकास कैसे होता है और प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने दिखाया कि देश कैसे विकसित होता है। देश के नव निर्माण के शिल्पकार दूरदर्शी श्री नरेन्द्र मोदी सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का संकल्प लेकर भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने में अहर्निश लगे हुए हैं।

एशियन गेम्स में गोल्ड जीतकर गांव लौटेंगे विवेक सागर, चांदोन में होगा भव्य स्वागत

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। एशियन गेम्स-2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य और डीएसपी विवेक सागर बुधवार शाम अपने गांव चांदोन लौटेंगे गोल्ड मेडल जीतने के बाद पहली बार गांव पहुंच रहे विवेक के स्वागत को लेकर परिवार और ग्रामीणों में उत्साह है गांव में बैंड-बाजे और आतिशबाजी के साथ उनके स्वागत की तैयारियां की गई हैं विवेक सागर फिलहाल भोपाल में हैं मंगलवार को उन्होंने खेल मंत्री विश्वास सारंग और डीजीपी कैलाश मकवाना से मुलाकात की डीजीपी ने एशियन गेम्स में भारतीय हॉकी टीम की सफलता और लॉस एंजिलिस ओलंपिक-2028 के लिए क्वालीफाई करने पर टीम को बधाई दी उन्होंने विवेक सागर को भी स्वर्ण पदक जीतने पर शुभकामनाएं दीं इस दौरान नर्मदापुरम एसपी साईं कृष्णा एस. थोटा भी मौजूद रहे ओलंपिक कांस्य के बाद बने थे डीएसपी इटारसी के पास स्थित चांदोन गांव के रहने वाले विवेक सागर ने इटारसी से हॉकी खेलना शुरू किया था टोक्यो ओलंपिक-2020 में भारतीय हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उन्हें डीएसपी पद पर नियुक्त किया था विवेक सागर भारतीय हॉकी टीम के साथ लगातार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुके हैं उन्होंने एशियन गेम्स-2023 में स्वर्ण, कॉमनवेल्थ गेम्स-2022 में रजत और पेरिस ओलंपिक-2024 में कांस्य पदक जीतने वाली टीम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई एशियन गेम्स-2026 में भारतीय टीम के स्वर्ण पदक जीतने के बाद विवेक के गांव लौटने को लेकर खासा उत्साह है ग्रामीणों और खेल प्रेमियों ने उनके स्वागत की तैयारियां की हैं उनके घर पहुंचते ही परिजन और ग्रामीण जश्न मनाएंगे।

डॉक्टर की मांग पर मनपुरा में चक्काजाम 4 घंटे बंद रहा सिरसौद-पिछोर मार्ग

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। मनपुरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 24 घंटे डॉक्टर की तैनाती की मांग को लेकर ग्रामीणों का आंदोलन बुधवार को सातवें दिन तेज हो गया नाराज ग्रामीणों ने सिरसौद-पिछोर मार्ग पर चक्काजाम कर दिया करीब चार घंटे तक सड़क पर आवागमन बाधित रहा ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर की व्यवस्था का लिखित आश्वासन मिलने तक जाम खत्म करने को तैयार नहीं हुए सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाइश दी लेकिन वे मांग पूरी होने तक आंदोलन समाप्त करने पर अड़े रहे ग्रामीणों का कहना था कि दिनेश सगर कई दिनों से स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर की 24 घंटे उपलब्धता की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे थे इसके बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं हुई मामला बढ़ता देख स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। CMHO डॉ. संजय ऋषेश्वर ने ग्रामीणों को लिखित आश्वासन दिया कि मनपुरा स्वास्थ्य केंद्र में तत्काल दो डॉक्टर और चार नर्सिंग स्टाफ की तैनाती की जाएगी इसके अलावा आगामी 15 दिनों के भीतर स्थायी डॉक्टर की पदस्थापना कराने का भी आश्वासन दिया गया लिखित आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया इसके बाद सिरसौद-पिछोर मार्ग पर यातायात सामान्य हो गया आंदोलन कर रहे दिनेश सगर ने भी अपना अनशन समाप्त कर दिया ग्रामीणों का कहना है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर की नियमित उपलब्धता नहीं होने से मरीजों को उपचार के लिए परेशान होना पड़ता है ग्रामीण लंबे समय से स्वास्थ्य केंद्र में 24 घंटे डॉक्टर की तैनाती और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग कर रहे हैं विभाग के लिखित आश्वासन के बाद फिलहाल आंदोलन समाप्त कर दिया गया है।

मढ़ई के रिसॉर्ट परिसर में चीतल की मौत, कुत्तों के हमले की आशंका

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के पर्यटन क्षेत्र मढ़ई स्थित फोरेसिथ लॉज रिसॉर्ट परिसर के जंगल में एक चीतल मृत मिला। मंगलवार दोपहर रिसॉर्ट स्टाफ ने इसकी सूचना बागड़ा बफर रेंज वन विभाग को दी रेंजर विलास डोंगरे डॉग स्क्वॉड के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास सर्चिंग कराई शुरुआत में तेंदुए के हमले की आशंका जताई गई, लेकिन सर्चिंग में शिकार या संदिग्ध गतिविधि के संकेत नहीं मिले बुधवार को शासकीय पशु चिकित्सक डॉ. संजीव मालवीय ने पोस्टमार्टम किया वन विभाग के अनुसार प्रथम दृष्टया चीतल की मौत आवारा कुत्तों के हमले से घायल होने के कारण हुई है। सभी अंग सुरक्षित पाए गए हैं मौत के कारण की पुष्टि के लिए सैंपल प्रयोगशाला भेजे गए हैं एसटीआर के अनुसार चक्काजाम के कारण टीम को मौके पर पहुंचने में देरी हुई पोस्टमार्टम के बाद वन अमले की मौजूदगी में अवशेषों का अंतिम संस्कार किया गया मार्च में इसी रिसॉर्ट में वन्यजीव अवशेष प्रदर्शित करने का मामला भी सामने आया था।

जनसेवा से राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष के संकल्प के साथ जिले में निकली सेवा ज्योति यात्रा

स्वामी आत्मानंद विद्यालय से तीन मार्गों पर निकली यात्रा, पीडब्ल्यूडी चौक पर 2047 तक विकसित भारत का लिया सामूहिक संकल्प

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में जिला स्तरीय सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन स्वामी आत्मानंद विद्यालय परिसर से किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा से राष्ट्रसेवा के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन से प्रेरणा लेते हुए सेवा समर्पण जनभागीदारी तथा विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना रहा कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ग्रामीणजनों एवं नागरिकों ने सहभागिता की कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर राष्ट्रीयगान के साथ किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, पूर्व गृह मंत्री राम सेवक पैकरा, भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह, बाबूलाल अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की भावना से आगे बढ़ने का आह्वान

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा से राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन किया जा रहा है उन्होंने कहा कि यात्रा के माध्यम से सेवा समर्पण जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया जा रहा है उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणजनों से सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ते हुए विकसित भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के लिए सबका प्रयास को बताया महत्वपूर्ण कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम से आभासी माध्यम से विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति कार्यक्रम को संबोधित किया उन्होंने जनसेवा के 25 वर्षों के सफर को देशवासियों

के विश्वास कार्यकर्ताओं के परिश्रम और जनता के सहयोग से जुड़ा बताया प्रधानमंत्री ने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद से अब तक के सफर में उन्हें अनेक लोगों और घटनाओं से सीखने का अवसर मिला उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सफलता ने विनम्रता कठिनाइयों ने संघर्ष और आलोचनाओं ने आत्ममंथन करना सिखाया। उन्होंने कहा कि हर संकट ने धैर्य की परीक्षा ली और हर उपलब्धि ने बड़े लक्ष्यों की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर दिया प्रधानमंत्री ने सबका प्रयास को विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर जोर दिया उन्होंने देशवासियों के विश्वास और कार्यकर्ताओं के परिश्रम को अपनी शक्ति बताया तथा भारत के लोकतंत्र और संविधान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने सेवा ज्योति यात्रा में शामिल नागरिकों का अभिनंदन करते हुए सेवा, समर्पण, जनभागीदारी और सामूहिक प्रयास के साथ विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया प्रधानमंत्री के संबोधन के पश्चात सेवा ज्योति यात्रा को तीन अलग-अलग मार्गों से आगे बढ़ाया गया स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों ने स्वामी आत्मानंद विद्यालय प्रांगण से शहीद भगत सिंह चौक होते हुए पीडब्ल्यूडी चौक तक यात्रा में सहभागिता की इसी क्रम में पूर्व गृह मंत्री राम सेवक पैकरा एवं जनप्रतिनिधियों ने स्वामी आत्मानंद विद्यालय प्रांगण से होटल हसदेव इन होते हुए पीडब्ल्यूडी चौक तक यात्रा में सहभागिता की वहीं भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह एवं जनप्रतिनिधियों ने स्वामी आत्मानंद विद्यालय प्रांगण से बीएस मार्ट होते हुए।

वन भूमि से बेदखली के विरोध में आदिवासियों का धरना, पट्टे की मांग

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कोलारस तहसील के जूर गांव में वन भूमि पर करीब 30 वर्षों से खेती कर रहे सहरिया आदिवासी परिवारों ने बेदखली के विरोध में धरना शुरू कर दिया है परिवारों ने कलेक्टर को आवेदन सौंपकर जमीन से हटाने की कार्रवाई रोकने और वनाधिकार अधिनियम-2006 के तहत उनके दावों का निराकरण कर वनाधिकार पट्टा देने की मांग की है धरने पर बैठे परिवारों का कहना है कि वे भूमिहीन और गरीब हैं तथा वन बीट संनवारा के मौजे की जमीन पर करीब तीन दशक से खेती कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। उनके पास आय का अन्य कोई साधन

नहीं है ऐसे में जमीन से बेदखली होने पर उनके सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा निजी स्वार्थ से शिकायत का आरोप आदिवासी परिवारों ने आरोप लगाया कि ग्राम उकावल के कुछ लोग निजी स्वार्थ के चलते उनकी काबिज भूमि को लेकर वन विभाग में लगातार शिकायतें कर रहे हैं उनका दावा है कि उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है और जमीन से हटाने का प्रयास किया जा रहा है आवेदन में कुछ लोगों के नाम भी शिकायतकर्ता के रूप में उल्लेखित किए गए हैं परिवारों के अनुसार वे अपनी समस्या को लेकर पहले वनमंडलाधिकारी शिवपुरी सहित क्षेत्रीय सांसद एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और विधायक महेंद्र सिंह यादव को भी आवेदन दे चुके हैं दावों के निराकरण की मांग आदिवासी परिवारों ने कलेक्टर से मांग की है कि वर्षों से काबिज जमीन से उन्हें बेदखल न किया जाए। वनाधिकार अधिनियम के तहत उनके दावों की जांच कर पात्र परिवारों को अधिकार पट्टा दिया जाए साथ ही शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर उन्हें परेशान करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

गुरुग्राम में मध्यप्रदेश की 15 वर्षीय किशोरी की मौत, मंगलवार से थी लापता

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। हरियाणा के गुरुग्राम जिले के निबोट गांव में मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले की रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी की मौत का मामला सामने आया है किशोरी मंगलवार से घर से लापता थी परिजन और परिचित उसकी तलाश कर रहे थे। बुधवार सुबह उसका शव गांव के पास एक पेड़ के नीचे मिला जानकारी के अनुसार शिवपुरी जिले के पिपरौदा आलम गांव निवासी गणेश अपने परिवार के साथ निबोट गांव में रहकर मजदूरी करता है। मंगलवार को वह अपनी पत्नी के साथ काम पर गया था शाम को घर लौटने पर बेटी के नहीं मिलने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन देर रात तक उसका पता नहीं चला बुधवार सुबह परिजन और रिश्तेदार आसपास के खेतों में उसकी तलाश कर रहे थे इसी दौरान किशोरी का शव मिला सूचना पर सदर थाना पुलिस और निबोट चौकी की टीम मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सोहना नागरिक अस्पताल भेजा, जहां पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है अधिकारियों के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अमरकंटक में आंधी-तूफान के साथ एक घंटे झमाझम बारिश, अनूपपुर में खिली धूप

मानसून की विदाई के बाद भी बारिश का दौर जारी, जिले में पिछले साल से 3.23 इंच ज्यादा बरसा पानी

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। मध्यप्रदेश से मानसून की आधिकारिक विदाई के बाद भी अनूपपुर जिले में बारिश का सिलसिला जारी है। मंगलवार रात कोतमा में 0.55 इंच बारिश दर्ज की गई, जबकि बुधवार दोपहर पवित्र नगरी अमरकंटक में अचानक मौसम बदला और आंधी, बिजली की चमक व गरज के साथ करीब एक घंटे तक तेज बारिश हुई। दूसरी ओर जिला मुख्यालय अनूपपुर सहित जिले के कई हिस्सों में दिनभर धूप खिली रही अमरकंटक में बुधवार सुबह से दोपहर करीब 2 बजे तक मौसम साफ रहा और तेज धूप निकली इसके बाद करीब 2:45 बजे अचानक आसमान में काले बादल छा गए देखते ही देखते तेज हवाओं के साथ बिजली चमकने और गरजने लगी। इसके बाद झमाझम बारिश शुरू हो गई।

करीब एक घंटे तक हुई तेज बारिश से सड़कों पर पानी बहने लगा और तापमान में गिरावट दर्ज की गई बारिश से पर्यटक हुए परेशान अचानक बदले मौसम के कारण अमरकंटक पहुंचे तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज बारिश से बचने के लिए लोग दुकानों और अन्य सुरक्षित स्थानों पर शरण लेते नजर आए। प्रमुख धार्मिक स्थलों और बाजार क्षेत्रों में भी बारिश के दौरान लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई। बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया और वातावरण में ठंडक घुल गई 3 अक्टूबर को हो चुकी मानसून की विदाई भू-अभिलेख विभाग के अधीक्षक प्रदीप कुमार मोगरे के अनुसार मध्यप्रदेश से मानसून की आधिकारिक वापसी 3 अक्टूबर को हो चुकी है। वर्तमान में स्थानीय मौसमी परिस्थितियों के कारण कुछ क्षेत्रों में छिटपुट बारिश हो रही है। अगले कुछ दिनों में बारिश का यह दौर भी थमने की संभावना है पिछले 24 घंटे में जिले में औसतन 0.067 इंच यानी 1.7 मिमी बारिश दर्ज की गई। जून से अब तक जिले में कुल 46.18 इंच यानी 1173.1 मिमी वर्षा हो चुकी है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 42.94 इंच यानी 1090.9 मिमी बारिश हुई थी। इस तरह इस वर्ष अब तक 3.23 इंच यानी 82.2 मिमी अधिक वर्षा दर्ज की गई है। जिले की सामान्य औसत वर्षा 47.07 इंच यानी 1195.8 मिमी है धान-मक्का के लिए फायदेमंद बारिश कृषि विभाग के अनुसार कोतमा क्षेत्र में हो रही हल्की और छिटपुट बारिश से खेतों में खड़ी धान और मक्का की फसलों को नुकसान की संभावना नहीं है।

शराब दुकान हटाने की मांग पर आदिवासी महिलाओं का धरना, 20 घंटे से सड़क पर डटीं

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के मढ़ई-सारंगपुर क्षेत्र में शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर आदिवासी महिलाओं का धरना बुधवार को भी जारी रहा। मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे शुरू हुआ प्रदर्शन 20 घंटे से अधिक समय तक चला। करीब 50 से 60 महिलाएं शराब दुकान के सामने सड़क पर रातभर बैठी रहीं। महिलाओं का आरोप है कि शराब के कारण घरेलू विवाद बढ़ रहे हैं और महिलाओं व छात्राओं की सुरक्षा प्रभावित हो रही है महिलाएं पिछले एक महीने से दुकान हटाने की मांग कर रही हैं मांग पूरी नहीं होने पर मंगलवार को कांग्रेस नेत्री सुरेखा शाह और पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह पटेल के साथ महिलाएं दुकान के बाहर पहुंचीं और धरना शुरू किया इस दौरान नारेबाजी भी की गई प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने दुकान के सामने ही भोजन किया और सड़क पर रात बिताई धरने के कारण मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ और मढ़ई घूमने पहुंचे पर्यटकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा कुछ पर्यटकों को वाहन से उतरकर पैदल आगे जाना पड़ा महिलाओं का कहना है कि मुख्य मार्ग पर शराब दुकान के आसपास शराब पीने वालों का जमावड़ा रहता है इससे स्कूली छात्राओं युवतियों और महिलाओं को आने-जाने में परेशानी होती है उन्होंने छात्राओं से अभद्र टिप्पणी किए जाने के आरोप भी लगाए एसडीएम डॉ. बबीता राठौर ने महिलाओं से चर्चा कर बताया कि दुकान का स्थान 1 अप्रैल से बदल दिया जाएगा तब तक सुरक्षा व्यवस्था के लिए दुकान के पास पुलिसकर्मी की ड्यूटी लगाने का आश्वासन दिया गया हालांकि महिलाएं तत्काल दुकान हटाने की मांग पर अड़ी रहीं जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव द्विवेदी के अनुसार सारंगपुर की शराब दुकान वर्ष 2026-27 के नियमों के तहत संचालित है दुकान का स्थान परिवर्तन अगले आबकारी सत्र में ही किया जा सकता है।

विवेकानंद महाविद्यालय में साकार हुआ रंगोली राष्ट्र, 76×76 फीट की विशाल कलाकृति बनी आकर्षण का केंद्र

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया जिला स्तरीय आयोजन का शुभारंभ भारत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को रंगों के माध्यम से दिया जीवंत स्वरूप

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन एवं जिला प्रशासन एमसीबी के सहयोग से शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ के प्रांगण में आज जिला स्तरीय रंगोली राष्ट्र/भारत मंडला का भव्य आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. श्राबनी चक्रवर्ती के कुशल संरक्षण एवं मार्गदर्शन में महाविद्यालयीन स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं के अथक प्रयासों से तैयार की गई 76म76 फीट आकार की विशाल गोलाकार रंगोली ने पूरे क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बना दिया विविध आकर्षक रंगों से सजी इस भव्य कलाकृति में भारत सरकार की विभिन्न दूरदर्शी एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को कलात्मक ढंग से प्रदर्शित कर योजनाओं के माध्यम से देश के विकास और जनसेवा की तस्वीर को जीवंत स्वरूप दिया गया कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ दोपहर 12 बजे छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया इस अवसर पर भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र की विधायक रेणुका सिंह, छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा, चंपा देवी पावले तथा जिला संगठन प्रभारी बाबूलाल अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे शुभारंभ के पश्चात विशाल रंगोली को आम जनता के अवलोकनार्थ खोला गया जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में नागरिक छात्र-छात्राएं एवं गणमान्यजन उपस्थित हुए 76म76 फीट की इस विशाल गोलाकार कलाकृति को तैयार करने में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ ने निरंतर मेहनत की। रंगों के आकर्षक संयोजन और रचनात्मक प्रस्तुति के माध्यम से भारत सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास की अवधारणा को रंगोली के रूप में प्रदर्शित किया गया यह विशाल कलाकृति न केवल कला और रचनात्मकता का प्रदर्शन रही बल्कि जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने और सेवा, विकास तथा राष्ट्र निर्माण के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का माध्यम भी बनी कार्यक्रम का सबसे विशेष आकर्षण विशाल रंगोली के चारों ओर बनाया गया मानव चक्र रहा उपस्थित अतिथियों छात्र-छात्राओं एवं विशाल जनसमूह ने एकजुट होकर रंगोली के चारों ओर विशाल मानव चक्र का निर्माण किया इस दौरान सभी ने विकसित भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने तथा राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पित रहने का सामूहिक सेवा संकल्प लिया सामूहिक संकल्प के दौरान पूरा महाविद्यालय परिसर देशभक्ति के नारों और भारत माता की जय के उद्घोष से गूंज उठा। छात्र-छात्राओं और उपस्थित नागरिकों में उत्साह का वातावरण दिखाई दिया और पूरा परिसर राष्ट्र सेवा एकता एवं विकसित भारत के संकल्प से सराबोर नजर आया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि आज का दिन देश के इतिहास में महत्वपूर्ण है उसके 25 वर्ष पूर्ण हुए हैं उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा भाव और विकसित भारत के संकल्प को स्मरण करते हुए उपस्थित जनसमूह से देश की प्रगति में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया स्वास्थ्य मंत्री ने महाविद्यालय परिवार द्वारा तैयार की गई विशाल एवं रचनात्मक रंगोली की सराहना करते हुए इस अनूठी पहल के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाओं कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त समाचार

सागर में लकड़ी के टाल में लगी भीषण आग

फायर ब्रिगेड ने दो घंटे की मशक्कत कर पाया काबू, पुलिस नुकसान का पंचनामा बना रही

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के मोतीनगर थाना क्षेत्र में सरस्वती मैरिज गार्डन के पास स्थित लकड़ी की टाल में मंगलवार देर रात अचानक आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। लपटें देखकर आसपास के लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। नगर निगम की फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि, टाल में रखी लकड़ियों में देर रात तक आग सुलगती रही, जिसे बुझाने के लिए फायरकर्मी मौके पर जुटे रहे। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं सूचना मिलने पर मोतीनगर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले को जांच में लिया है। फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस के मुताबिक, आग से हुए नुकसान का पंचनामा तैयार किया जा रहा है। आग लगने के कारणों की भी जांच की जा रही है।

सीहोर में बच्चों से भरी स्कूल बस खाई में उतरी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के पीपलखेड़ा गांव के पास मंगलवार को ज्ञान वैली स्कूल की बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे झाड़ियों और गड्ढे में उतर गई। बस में कई स्कूली बच्चे सवार थे। हादसे में एक बच्ची को मामूली चोट आई, जबकि बाकी सभी बच्चे सुरक्षित हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बस रोज की तरह बच्चों को लेकर जा रही थी। पीपलखेड़ा के पास अचानक बस का संतुलन बिगड़ा और वह सड़क से नीचे उतरकर झाड़ियों और गड्ढे में जा पहुंची। बस के नीचे उतरते ही बच्चे घबरा गए और शोर मचाने लगे। ग्रामीणों ने बच्चों को बस से बाहर निकाला हादसे की जानकारी मिलते ही ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे। उन्होंने बस में मौजूद बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना की जानकारी मिलने पर बच्चों के माता-पिता भी मौके पर पहुंचने लगे। एडिशनल एसपी प्रशांत चौबे ने बताया कि अहमदपुर थाना क्षेत्र में ज्ञान वैली स्कूल की बस रसूलपुरा के पास सड़क से उतर गई थी। हादसे में एक बच्ची को हल्की चोट आई, जिसे सहयोग अस्पताल अहमदपुर ले जाया गया। पुलिस के मुताबिक बस पलटने से बड़ा हादसा टल गया। घटना के कारणों की जानकारी जुटाई जा रही है।

जनगणना के द्वितीय चरण का दो दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। जिले में आगामी जनगणना कार्य को सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संपादित कराने के उद्देश्य से जनगणना के द्वितीय चरण का दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनगणना कार्य की प्रक्रिया, दायित्वों एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों एवं प्रगणकों को जनगणना कार्य के विभिन्न चरणों, अभिलेखों के संधारण, निर्धारित प्रपत्रों में जानकारी दर्ज करने तथा प्राप्त जानकारी की शुद्धता सुनिश्चित करने के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही कार्य के दौरान आने वाली संभावित कठिनाइयों एवं उनके निराकरण के संबंध में भी विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षण में अधिकारियों ने जनगणना कार्य को गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ संपादित करने पर जोर दिया। प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य जनगणना कार्य में संलग्न अमले को पूरी तरह दक्ष बनाना तथा जिले में जनगणना कार्य को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराना है।

संवेदनशील पहल: कलेक्टर अंशुल गुप्ता आवेदकों के बीच पहुंचे, खड़े होकर सुनीं समस्याएं

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। जिले के नागरिकों की जनसमस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज जिला मुख्यालय विदिशा में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में स्वयं आवेदकों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने अधिकारियों की निर्धारित बैठक व्यवस्था तक सीमित न रहकर सीधे आवेदकों के बीच जाकर एक-एक आवेदनकर्ता से संवाद किया। उन्होंने प्रत्येक समस्या को ध्यानपूर्वक सुना तथा कई मामलों में मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को तलब कर आवश्यक निर्देश दिए, ताकि समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सुरभि तिवारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी आवेदकों के बीच पहुंचे और उनकी समस्याओं एवं मांगों को गंभीरता से सुना। कलेक्टर की इस संवेदनशील एवं जनहितैषी पहल से जनसुनवाई में पहुंचे नागरिकों ने सहजता और विश्वास के साथ अपनी बात रखी। प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि जनसुनवाई में आने वाले किसी भी आवेदक को असुविधा का सामना न करना पड़े। इसके लिए पंजीयन एवं पावती व्यवस्था के साथ-साथ जनसुनवाई कक्ष में पर्याप्त बैठने की व्यवस्था की गई। आवेदकों की सुविधा हेतु शुद्ध पेयजल की उपलब्धता भी बैठक स्थल पर सुनिश्चित की गई। आज आयोजित जनसुनवाई

में 180 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 97 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। शेष आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित विभागों द्वारा समय-सीमा में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता, प्राथमिकता एवं गंभीरता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित करें ताकि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान हो सके और शासन-प्रशासन के प्रति नागरिकों का विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो।

जनसुनवाई में बुजुर्गों को मिली राहत: जिला मुख्यालय पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए बुजुर्ग आवेदिकाओं की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित कराया। जनसुनवाई में पहुंची वृद्ध महिलाओं की पीड़ा को गंभीरता से सुनते हुए कलेक्टर ने मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए, जिसके सकारात्मक परिणाम भी तत्काल सामने आए। जनसुनवाई में सिरोंज नगर के वार्ड क्रमांक-17 निवासी सावित्री बाई सोनी फौती नामांतरण नहीं हो पाने की समस्या लेकर पहुंची थीं। उन्होंने बताया कि कई वर्षों से लगातार प्रयासों के बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं हो सका है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सिरोंज नगर पालिका के मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) से चर्चा की और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देशों के बाद फौती नामांतरण की प्रक्रिया प्रारंभ कराते हुए आवेदिका की समस्या के समाधान की दिशा में प्रभावी कदम उठाए गए।

इसी प्रकार ग्राम घटवार निवासी बुजुर्ग आवेदिका श्रीमती कुसुमबाई ने अपनी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत जनसुनवाई में प्रस्तुत की। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित तहसीलदार को तत्काल निर्देश दिए कि मौके पर जांच कर कब्जा हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आवेदिका को न्याय दिलाने के लिए आवश्यक सभी वैधानिक कार्रवाई समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

जनसुनवाई में विभिन्न समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई : जिला मुख्यालय पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में जनसुनवाई में सिरोंज तहसील के ग्राम घटवार निवासी श्री मुन्नीलाल सिंह ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत पात्र होने के बावजूद राशि प्राप्त नहीं होने की समस्या बताई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि तकनीकी अथवा दस्तावेज संबंधी बाधाओं की तत्काल जांच कर कारणों का निराकरण किया जाए, जिससे आवेदक को आगामी किस्तों का लाभ समय पर प्राप्त हो सके। इसी प्रकार ग्राम बामोरा निवासी श्री हेमराज मीणा ने डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के अंतर्गत डेयरी इकाई हेतु ऋण स्वीकृत नहीं होने की शिकायत प्रस्तुत की। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने पात्रता अनुसार ऋण उपलब्ध कराने की कार्रवाई सुनिश्चित कराई तथा संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित करते हुए आवेदक को आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कराने के लिए एसबीआई बैंक भेजा गया।

जनसुनवाई के दौरान ग्राम पारधा के श्री धीरज सिंह ने निवासरत भूमि का पट्टा प्रदान किए जाने का आवेदन प्रस्तुत किया। वहीं ग्राम ओसन्हाई के ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग पर स्थित क्षतिग्रस्त पुलिया के पुनर्निर्माण की मांग रखी। ग्राम पंचायत हैदरगढ़ के ग्रामीणों ने शासकीय हैंडपंप पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए आवेदन दिया। शहरी क्षेत्र से प्राप्त आवेदनों में सांवरिया कॉलोनी निवासी श्री कल्याण सिंह ने बंद नल कनेक्शन को पुनः चालू कर पेयजल व्यवस्था सुचारु कराने का अनुरोध किया। ग्राम सुनारी के श्री रमेश कुशवाहा ने स्थायी सिंचाई विद्युत कनेक्शन की लाइन नियमित रूप से संचालित कराने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त विट्ठल नगर कॉलोनी के रहवासियों ने क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने एवं मूलभूत सुविधाओं के विकास की मांग करते हुए आवेदन दिया। लोहांगी मोहल्ला निवासी श्री आयुष चौधरी ने अपने पिता के निधन के उपरांत तुलावट लाइसेंस प्रदान किए जाने का आवेदन प्रस्तुत किया।

छतरपुर के नौगांव में महिला से चेन स्नेचिंग की कोशिश

झपट्टा मारने से टूटकर जमीन पर गिरी चेन, गर्दन पर आए चोट के निशान, आरोपी पुलिस हिरासत में

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के नौगांव शहर में मंगलवार शाम एसबीआई के पास एक महिला की सोने की चेन झपटने की कोशिश हुई। गल्ला मंडी रोड पर पांच महिलाएं एक साथ जा रही थीं। इसी दौरान पीछे से आए युवक ने मनोरमा जैन के गले से चेन खींच ली। चेन मजबूत होने के कारण टूटकर जमीन पर गिर गई और आरोपी उसे लेकर भाग नहीं सका। हालांकि, चेन खींचने से महिला की गर्दन पर चोट आई।

महिलाओं के शोर मचाने पर आरोपी पास की गली में भाग गया। घटना के बाद सामने आए ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज में वह गली की ओर भागता दिखाई दे रहा है। दूसरे कैमरे में वह कुछ देर बाद मोबाइल पर बात करते हुए सामान्य तरीके से जाता नजर आ रहा है।

आरोपी हिरासत में, आज होगी

शिनाख्त: नौगांव टीआई संजय राय ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। बुधवार को उसकी शिनाख्ती की जाएगी। पुलिस के अनुसार आरोपी पहले भी इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। पुलिस का कहना है कि आरोपी महिलाओं का पीछा कर रहा था और मौका मिलते ही उसने मनोरमा जैन की चेन खींच ली। चेन जमीन पर गिरने से सोना बच गया।

पहले भी सामने आ चुकी हैं ऐसी घटनाएं: नौगांव में इससे पहले मंसा देवी मंदिर क्षेत्र में मंगलसूत्र लूट और मोबाइल छीनने की कोशिश की घटना सामने आई थी। वहीं गर्ल्स स्कूल चौराहे के पास भी मोबाइल छीनने की वारदात हो चुकी है।

नवरात्रि के चलते शहर के बाजारों और मंदिरों में भीड़ बढ़ी हुई है। ऐसे में गल्ला मंडी जैसे व्यस्त इलाके में चेन झपटने की कोशिश के बाद बाजार, मंदिरों और प्रमुख चौराहों पर पुलिस गश्त बढ़ाने की जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर भीड़भाड़ वाले इलाकों में संदिग्ध लोगों की गतिविधियों पर नजर रखना जरूरी है।

सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के अंतर्गत जिला चिकित्सालय में नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत संचालित 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के तहत जिला चिकित्सालय सीहोर में नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में नागरिकों का नेत्र परीक्षण कर उन्हें आंखों की देखभाल एवं नियमित जांच के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। शिविर में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा उपस्थित लोगों की आंखों की जांच की गई तथा दृष्टि संबंधी समस्याओं की पहचान कर आवश्यक परामर्श दिया गया। जरूरत के अनुसार मरीजों को आगे की जांच एवं उपचार के लिए भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा।

बुधनी में ट्रेन से कटकर दो टुकड़ों में बंटा अजगर

रेलवे पटरी पार करते समय हुआ हादसा, मौके पर ही मौत, वन विभाग ने संभाला शव

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के बुधनी रेलवे स्टेशन पर बुधवार सुबह रेलवे ट्रैक पार कर रहा एक अजगर ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसा प्लेटफॉर्म नंबर-2 के पास हुआ। ट्रेन की चपेट में आने से अजगर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्टेशन स्टाफ और स्थानीय लोगों ने वन विभाग को सूचना दी। कुछ ही देर में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और अजगर को ट्रैक से हटाया। घटना के दौरान स्टेशन और आसपास मौजूद लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। कुछ लोगों ने घटना का वीडियो भी बनाया।

वन विभाग ने तैयार किया पंचनामा: वन विभाग की टीम ने मृत अजगर का पंचनामा तैयार किया। वन परिक्षेत्र अधिकारी रजित द्विवेदी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद टीम मौके पर पहुंच गई थी। पशु चिकित्सक से पोस्टमार्टम कराने के बाद वन विभाग के नियमानुसार अजगर का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

वन क्षेत्र से सटा होने के कारण आते हैं वन्यजीव: वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक बुधनी क्षेत्र वन्यजीवों की मौजूदगी वाला इलाका है। कई बार जंगल से निकलकर वन्यजीव रेलवे ट्रैक और आसपास के इलाकों में पहुंच जाते हैं। इसी दौरान अजगर के भी ट्रैक पर आने की आशंका है। घटना के संबंध में वन विभाग ने आवश्यक कार्रवाई की है।

बुरहानपुर में हथियार मामले में 2 गिरफ्तार:13 पिस्टल

45 कारतूस मामले में पुलिस ने पकड़ा, कई महीनों से फरार चल रहे थे आरोपी

मीडिया ऑडीटर,बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर की खकनार पुलिस ने अवैध हथियार तस्करी के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान पाचौरी निवासी मेहमानसिंह (23) और जसवीर पटवा (22) के रूप में हुई है। पुलिस ने 9 अगस्त ओझर निवासी शक्तिसिंह (23) को खकनार के जंगल से पकड़ा था। उसके पास से 13 पिस्टल, एक मैगजीन, 45 जिंदा कारतूस और एक बाइक मिली थी। जब्त सामान की कुल कीमत 4 लाख 92 हजार रुपए थी। शक्तिसिंह ने पूछताछ में बताया था कि ये हथियार उसे मेहमानसिंह और जसवीर ने दिए थे।

संतरे की आड़ में गांजे की खेती: एक लाख के 107 पौधे जब्त, गरोठ में आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर,गरोठ (निप्र)। गरोठ थाना पुलिस ने संतरे के बगीचे में छिपाकर की जा रही अवैध गांजे की खेती को पकड़ा है। मंगलवार को साठखेड़ा इलाके में की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने मौके से गांजे के 107 हरे पौधे जब्त किए हैं।

पुलिस ने खेत मालिक कारूलाल (30 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया है।

संतरे के पेड़ों के बीच छिपाकर बोए गए थे पौधे: गरोठ थाना प्रभारी बलवीर सिंह यादव को सटीक मुखबिर से सूचना मिली थी कि साठखेड़ा निवासी कारूलाल अपने संतरे के बगीचे की आड़ में गांजे की अवैध खेती कर रहा है।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बगीचे में दबिश दी, जहां

संतरे के पेड़ों के बीच बड़ी संख्या में गांजे के पौधे लहलहाते पाए गए।

1 लाख के पौधे और मोबाइल जब्त, केस दर्ज: पुलिस ने मौके से करीब 1 लाख रुपए मूल्य के 107 हरे गांजे के पौधे और आरोपी के पास से 10,000 रुपए कीमत का एक सैमसंग मोबाइल फोन जब्त किया है।

पुलिस ने आरोपी कारूलाल के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है कि वह यह गांजा किसे बेचने वाला था और इसमें कौन-कौन शामिल हैं।

वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने का मौका

7 से 9 अक्टूबर तक मतदान केंद्रों पर लगाए जा रहे शिविर, जाने क्या है प्रक्रिया, कैसें करें आवेदन

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। अगर आपका नाम वोटर लिस्ट में शामिल नहीं है तो निर्वाचन आयोग ने नाम जुड़वाने का मौका दिया है। मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत 7 से 9 अक्टूबर तक रतलाम जिले के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने से छूटे पात्र लोगों के आवेदन लिए जाएंगे।

जिन पात्र नागरिकों का नाम वर्तमान में मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा, जो नागरिक 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे हैं, वे भी फॉर्म-6 के जरिए आवेदन कर सकते हैं।

फॉर्म-6 संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (BLO) या निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ERO) कार्यालय में जमा किया जा सकता है।

ऑनलाइन भी कर सकते हैं आवेदन: मतदाता

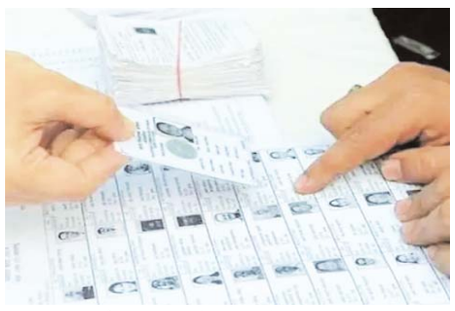

अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाने के लिए https//voters.eci.gov.in/ वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन फॉर्म-6 भर सकते हैं। फॉर्म-6 के साथ अलग से घोषणा पत्र लेने की आवश्यकता नहीं है।

बूथ लेवल अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अभियान के दौरान नाम जुड़वाने से छूटे पात्र लोगों से फॉर्म-6 भरवाने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। फॉर्म-6 के साथ घोषणा पत्र नहीं लिया जाएगा।

निर्वाचन आयोग करेगा मॉनिटरिंग: अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी बृजेंद्र रावत ने सभी बूथ लेवल अधिकारियों और सुपरवाइजरों को विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के दौरान गंभीरता और तत्परता से काम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पात्र लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। अभियान की निर्वाचन आयोग द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कटेसरिया ने जिले के पात्र नागरिकों से अभियान का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जिन पात्र लोगों का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म-6 भरकर नाम जुड़वाने के लिए आवेदन करें।

जनसुनवाई में हुई 200 आवेदनों पर कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आज 200 आम लोगों की समस्याओं को सुना गया और अधिकारियों को तत्परता से आमजन की समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अविनाश रावत, एसडीएम श्री रोहित वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।राज्य शासन के निर्देश पर आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में आज कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई हुई। जिले के 200 आवेदकों के प्रकरणों में सुनवाई कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई। जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं को सुना और उनका निराकरण किया गया।

स्पेन ने क्रोएशिया को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

मैड्रिड,एजेंसी। स्पेन ने क्रोएशिया को 2-1 से हराकर नेशंस लीग फुटबॉल क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। स्पेन ने एक रोमांचक मुकाबले में क्रोएशिया को 2-1 से हराया। इस मैच में एक गोल से पिछड़ने के बाद स्पेन ने अच्छी वापसी करते हुए अपने लगातार 42 मैचों से अजेय रहने के सिलसिल को बरकरार रखा है। इस जीत के साथ स्पेन ने अपने चारों ग्रुप मैचों में जीत हासिल कर लीग के अगले दौर में अपनी स्थिति बेहतर कर ली है। मैच की शुरुआत में ही स्पेन ने गेंद पर कब्जे का प्रयास करना प्रारंभ कर दिया। क्रोएशिया ने भी पहले हाफ में अच्छी टक्करी दी। स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन ने मैच की शुरुआत से ही कई शानदार बचाव किए, उन्होंने जोसिप स्टैनिसिक और बाद में इगोर मटानोविच के प्रयासों को नाकाम किया। हालांकि, 20वें मिनट में इवान पेरिसिच ने रिबाउंड पर गोल कर एक गोल दागते हुए क्रोएशिया को 1-0 की बढ़त दिला दी। वहीं स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने हाफ-टाइम में एलेक्स बाएना की जगह मेरिनो को मैदान पर उतारा, और यह बदलाव सफल रहा। मेरिनो ने 60वें मिनट में दानी ओल्मो के एक बेहतरीन पास पर गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर किया। इस गोल से पहले भी क्रोएशिया के गोलकीपर डोमिनिक लिवाकोविच ने यमल के एक प्रयास को नाकाम किया था। मैच के 78वें मिनट में, रोड्री की जगह मैदान पर आए मार्टिन जुबिमेंडी की एक गलती से पेरिसिच को मौका मिला, लेकिन साइमन ने एक बार फिर शानदार बचाव किया। एक मिनट बाद, मार्क कुकुरेला पर पीछे से खतरनाक तरीके से हमला करने के कारण पेरिसिच को दूसरा पीला कार्ड मिला और उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया गया, जिससे क्रोएशिया 10 खिलाड़ियों पर सिमट गई।

मंधाना की कप्तानी की पहली परीक्षा जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में होगी

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नई कप्तान बनी बल्लेबाज स्मृति मंधाना की पहली परीक्षा जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली सफेद गेंद सीरीज से शुरू होगी। यह नियुक्ति भारतीय महिला क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत का संकेत देती है, खासकर भविष्य की नेतृत्वकर्ता तैयार करने की रणनीति के तहत। मंधाना, 2013 से भारतीय टीम से खेल रही हैं, उनके के पास कप्तानी का अच्छा-खासा अनुभव मौजूद है। उन्होंने पहले भी विभिन्न प्रारूपों में टीम की अगुवाई की है और उपकप्तान के तौर पर हरमनप्रीत कौर के साथ मिलकर लंबे समय तक काम किया है। उनके कप्तानी के रिकॉर्ड पर नजर डालें तो यह बेहद प्रभावशाली रहा है, जिससे उनकी नेतृत्व क्षमताओं का स्पष्ट प्रदर्शन होता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, मंधाना ने एकदिवसीय और टी20 इंटरनेशनल मिलाकर कुल 22 मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी संभाली है। एकदिवीसय क्रिकेट में बतौर कप्तान उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। उन्होंने कुल 4 एकदिवसीय मुकाबलों में टीम का नेतृत्व किया है और इन सभी मैचों में भारत को जीत दिलाई है, जो शत प्रतिशत सफलता दर को दिखाता है। टी20 प्रारूप में भी उनका रिकॉर्ड बेहद मजबूत है। उन्होंने 18 मैचों में टीम की की, जिसमें से 11 में टीम ने जीत हासिल की, जबकि केवल 6 में हार का सामना करना पड़ा। अंतरराष्ट्रीय मंच पर ही नहीं, बल्कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में भी स्मृति मंधाना ने अपनी कप्तानी साबित की है। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को दो बार अपनी कप्तानी में चैंपियन बनाया है, जो उनकी रणनीतिक कौशल और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता का प्रमाण है। डब्ल्यूपीएल में उन्होंने आरसीबी के 35 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें से टीम को 18 में जीत और 17 में हार मिली है। यह आंकड़ा बताता है कि उनके पास विभिन्न हालातों में टीम को संभालने का व्यापक अनुभव है।

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर मेसी ने खेल को अलविदा कहा

ब्यूनस आयर्स,एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने बेनिन के खिलाफ अपना अंतिम अंतराष्ट्रीय मुकाबला खेलने के साथ ही खेल को अलविदा कहा दिया है। इसी के साथ ही मेसी के 21 सालों का खेल सफर यहीं थम गया। वह अपने पीछे एक ऐसी विरासत छोड़कर गये हैं जिसकी बराबरी शायद ही कभी कोई कर सके। इसलिए यह क्षण उन लाखों प्रशंसकों के लिए भावुक था जिन्होंने मेसी को खेल के मैदान पर जादू बिखेरते देखा है, और एक युग के अंत का प्रतीक है। गौरतलब है कि साल 2005 में अर्जेंटीना के लिए अंतराष्ट्रीय फुटबॉल में डेब्यू करने वाले मेसी के शुरुआती करियर में उतार-चढ़ाव भरे रहे। साल 2008 में बीजिंग ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा बनने के बाद भी, उन्हें 2014 फीफा विश्व कप और कोपा अमेरिका फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इन असफलताओं और खेल पर उठते सवालों के बीच ही सला 2016 में उन्होंने खेल से दूर होने की भी घोषणा कर दी थी पर प्रशंसकों और अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के अधिकारियों द्वारा समझाने के बाद वे खेल में लौट गये। इसके बाद उनके स्वर्णिम युग की शुरुआत हुई।

वापसी के बाद मेसी ने अर्जेंटीना को नए शिखर पर पहुंचाया। उनकी कप्तानी में टीम ने 2021 में ब्राजील को हराकर कोपा अमेरिका का खिताब जीता, जो उनके करियर का पहला बड़ा अंतराष्ट्रीय खिताब था। फिर 2022 उनके करियर का सबसे यादगार साल बना, जब उन्होंने फ्रांस के खिलाफ एक रोमांचक फाइनल में अपनी टीम को फीफा विश्व कप जिताया और गोल्डन बॉल अवॉर्ड भी जीता। वहीं साल 2024 में, उन्होंने में अर्जेंटीना को लगातार दूसरी बार कोपा अमेरिका का खिताब दिलाया, जिससे कप्तान के तौर पर उनके खाते में कुल चार बड़े अंतराष्ट्रीय खिताब आ गये।

मेसी ने साल 2026 फीफा विश्व कप में हिस्सा लेकर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। 39 साल की उम्र में यह उनका छठा विश्व कप था, जिससे वह संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा बार विश्व कप खेलने वाले खिलाड़ी बने। इस टूर्नामेंट में उनका दमदार प्रदर्शन भी देखने को मिला और उन्होंने विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने के साथ-साथ सर्वाधिक मैच जीतने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। हालांकि, वह अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को लगातार दूसरी बार फीफा विश्व कप का खिताब नहीं दिला सके। अपने शानदार इंटरनेशनल करियर में, मेसी ने कुल 208 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 126 गोल दागे और 68 असिस्ट भी किए। व्यक्तिगत उपलब्धियों की बात करें तो मेसी ने फुटबॉल जगत में अनूठे रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। वह एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने दो बार (2014 और 2022) फीफा विश्व कप गोल्डन बॉल का पुरस्कार जीता है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने रिकॉर्ड 8 बार बैलन डीओर और 6 बार यूरोपीय गोल्डन शू का खिताब भी अपने नाम किया।

कार्तिक बोले, अब शमी से आगे बढ़ी टीम युवा गेंदबाजों पर ही ध्यान दें

विराट और रोहित खेलना जारी रखें

मुम्बई,एजेंसी। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है कि अब भारतीय टीम में अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी संभव नही है। कार्तिक के अनुसार टीम इंडिया अब शमी से आगे बढ़ गयी है। ऐसे में हमें युवा गेंदबाजों पर ही अपना भरोसा बनाये रखना चाहिये। शमी ने अपना पिछला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला मार्च 2025 में खेला था। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर चल रहे हैं। वह लगातार घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं पर इसके बाद भी टीम में उनकी वापसी नहीं हो रही है जबकि कई क्रिकेट विशेषज्ञ और प्रशंसक उन्हें फिर से टीम में शामिल करने की मांग करते रहे हैं। इसी को लेकर कार्तिक ने कहा है कि अब मोहम्मद शमी को राष्ट्रीय टीम में वापस लाने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि भारतीय टीम उनसे आगे बढ़ चुकी है और अब दूसरे गेंदबाजों की तरफ देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि चयनकर्ताओं को अब अन्य उभरते हुए तेज गेंदबाजों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कार्तिक के शब्दों में, मुझे लगता है कि वहां और भी गेंदबाज हैं। भारत उनसे आगे बढ़ चुका है। वापस जाने का कोई मतलब नहीं है। मैं शमी की तरफ नहीं देख रहा हूं, भले ही उन्होंने शानदार गेंदबाजी की है। यह बयान शमी के प्रशंसकों के लिए निश्चित रूप से निराशाजनक हो सकता है, जो उनकी प्रभावशाली घरेलू फॉर्म को देखते हुए टीम में उनकी वापसी की उम्मीद कर रहे थे।जहां एक ओर कार्तिक ने मोहम्मद शमी की वापसी को सिरे से खारिज कर दिया, वहीं उन्होंने टीम के दो सबसे बड़े स्तंभों, विराट कोहली और रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर बिल्कुल विपरीत राय रखी। कार्तिक का मानना है कि इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों को खेलना जारी रखना चाहिए।उन्होंने कहा कि कोहली और रोहित सिर्फ भारतीय टीम के लिए ही नहीं, बल्कि विश्व क्रिकेट के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। उनके अनुसार, हां, वो दो सबसे बड़े नाम हैं और भारत वर्ल्ड क्रिकेट का केंद्र है, इसलिए अगर हम दो बेहतरीन क्रिकेटरों को खो देते हैं, तो इसका असर जरूर पड़ेगा। यह दर्शाता है कि कार्तिक अनुभवी बल्लेबाजों के महत्व को स्वीकार करते हैं, जबकि गेंदबाजी विभाग में नए चेहरों को मौका देने की वकालत कर रहे हैं।माना जा रहा है कि कार्तिक के इस बयान के पीछे, संभवत : इन दोनों बल्लेबाजों की हालिया प्रभावशाली फॉर्म भी एक कारण हो सकती है। विराट कोहली ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज में अपनी बल्लेबाजी का जौहर दिखाया था। सीरीज के पहले मुकाबले में उन्होंने नाबाद 139 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई थी। इसके बाद दूसरे वनडे में उन्होंने 29 रन बनाए थे, हालांकि तीसरे मुकाबले में वह बिना खाता खोले आउट हो गए थे, लेकिन उनकी ओवरऑल फॉर्म सराहनीय रही है।

प्रसिद्ध कृष्णा का न्यूजीलैंड दौरे के शुरुआती मैचों में खेलना संभव नहीं

चोटिल होने के कारण तीन सप्ताह के लिए खेल से बाहर हुए

मुम्बई,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा चोटिल होने के कारण करीब तीन सप्ताह के लिए खेल से बाहर हो गये है। इससे वह इसी माह शुरु हो रहे न्यूजीलैंड दौरे मे शायद ही खेल पायें। इससे भारतीय टीम प्रबंधन की परेशानी बढ़ गयी है। कृष्णा को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच के दौरान चोट लगी थी, जिसके बाद वह सिर्फ पांच ओवर ही गेंदबाजी कर पाए थे। इसके चलते वह तीसरे और अंतिम मुकाबले में भी नहीं खेल पाए थे। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रसिद्ध को पूरी तरह ठीक होने में कम से कम तीन सप्ताह का समय लग सकता है, जो न्यूजीलैंड दौरे से ठीक पहले आया है। भारतीय टीम को इसी महीने न्यूजीलैंड का दौरा करना है, जिसमें पांच टी20, पांच एकदिवीसयस और दो टेस्ट मैचों की लंबी सीरीज खेलनी है। प्रसिद्ध कृष्णा इस समय भारतीय तेज गेंदबाजी सेटअप के एक महत्वपूर्ण सदस्य माने जाते हैं, और उनकी अनुपस्थिति से टीम संयोजन पर सीधा असर पड़ेगा। चयनकर्ताओं को अब उनकी जगह किसी और विकल्प पर विचार करना पड़ सकता है, जिससे टीम की गहराई और बेंच स्ट्रेंथ की परीक्षा होगी।

टीम इंडिया में लगातार चोटिल हो रहे खिलाड़ियों को लेकर कप्तान शुभमन गिल भी चिंतित हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय के बाद उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। चोट, व्यस्त कार्यक्रम और आस-पास हो रहे दूसरे मैचों की वजह से हम अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी लाइनअप के साथ नहीं खेल पा रहे हैं, जिससे हम खेलना चाहते हैं। वहीं अब हमारे पास प्रयोग करने के लिए अब बहुत ही कम समय बचा है। हम जिस संयोजन के साथ खेलना चाहते हैं, उम्मीद है कि अगली सीरीज से हमें उसके लिए सभी खिलाड़ी मिल जाएंगे। उन्होंने अपनी मंशा स्पष्ट करते हुए कहा कि वे विश्व कप में जिस संयोजन के साथ खेलना चाहते हैं, उसी के साथ अभी से खेलना शुरू करना चाहते हैं।

भारतीय टीम पिछले कुछ महीनों से चोट की गंभीर परेशानियों से जूझ रही है, जिससे उसके प्रदर्शन और तैयारियों पर लगातार असर पड़ रहा है।

धोनी सहित ये क्रिकेटर अपने डेब्यू मैच में खाता भी नहीं खोल पाये थे

मुम्बई,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी सहित कुछ ऐसे भी क्रिकेटर हुए हैं जो अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय के डेब्यू मैच में तो खाता भी नहीं खोल पाये पर इसके बाद इन खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से इतिहास रच दिया। इस सूची में धोनी के अलावा के एल राहुल से लेकर अभिषेक शर्मा तक हैं। इस सूची में पहला और शायद सबसे हैरन वाला नाम धोनी का है। जिन्होंने देश को पहला टी20 विश्व कप दिलाया और अनगिनत रिकॉर्ड अपने नाम किए, उनका टी20 इंटरनेशनल डेब्यू भी बिना रन बनाए आउट होने की घटना से जुड़ा है। साल 2006 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने पहले टी20 मैच में, धोनी सिर्फ 2 गेंदें खेलकर बोल्ड हो गए थे। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि शुरुआती झटके किसी महान करियर की राह में बाधा नहीं बनते, बल्कि कभी-कभी तो एक प्रेरक बिंदु बन जाते हैं।अगला नाम प्रतिभाशाली बल्लेबाज केएल राहुल का है, जो अपने टी20 इंटरनेशनल करियर की शुरुआत में गोल्डन डक का शिकार हुए थे। साल 2016 में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने पहले टी20 मुकाबले में, राहुल पहली ही गेंद पर आउट हो गए थे। हालांकि, उनकी यह खराब शुरुआत उनके टी20 करियर को परिभाषित नहीं कर सकी। इसके बाद उन्होंने इस फॉर्मेट में कई शानदार पारियां खेलीं, शतक जड़े और भारतीय टीम के अहम सदस्य बने।

हाल ही में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से आईपीएल में धूम मचाने वाले अभिषेक शर्मा भी इस सूची में शामिल हैं। जिस अभिषेक की विस्फोटक बल्लेबाजी से आज दुनिया भर के गेंदबाज खौफ खाते हैं, उन्हें भी अपने टी20 इंटरनेशनल डेब्यू में शून्य पर आउट होने का अनुभव हुआ। साल 2024 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टीम इंडिया के लिए डेब्यू करते हुए, अभिषेक शर्मा 4 गेंदें खेलने के बावजूद अपना खाता नहीं खोल पाए और बिना रन बनाए पवेलियन लौट गए। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बावजूद, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का दबाव और माहौल बिल्कुल अलग होता है, और यह अभिषेक के पहले मैच में साफ नजर आया। हालांकि इसे बाद जिस प्रकार से इस क्रिकेटर ने जिस प्रकार अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से दुनिया भर के गेंदबाजों को अपना शिकार बनाया है वह सभी जानते है। इंटरनेशनल इससे साफ है कि इंटरनेशनल डेब्यू पर शून्य पर आउट होना भले ही एक निराशाजनक अनुभव हो, लेकिन यह किसी खिलाड़ी के करियर का अंत नहीं होता।

भुवनेश्वर की वापसी से हैरान हुए पुजारा

मुम्बई,एजेंसी। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की चार साल बाद भारतीय टीम में वापसी हुई है। 36 साल के भूवी को इसी माह होने वाले न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में शामिल किया गय है। इससे पूर्व दिग्गज बल्लेबाज पुजारा हैरान हैं हालांकि पुजारा का कहना है कि भूवी वापसी के अधिकारी थे क्योंक उनके जैसा रिवर्स स्विंग का दूसरा गेंदबाज अभी कोई और नहीं है। उन्होंने भारत के लिए पिछला मैच नवंबर 2022 में खेला था। इस गेंदबाज ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल 2026 ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। वह सत्र में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट (28) लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने पावरप्ले के ओवरों में स्विंग और सीम से बल्लेबाजों को खेलने का कोई अवसर नहीं दिया था। पुजारा ने कहा, भुवनेश्वर वापसी चौंकाने वाली है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि वह कमबैक करेंगे। लेकिन उनकी वापसी एक शानदार फैसला है। मैं इस फैसले से सहमत हूं। भुवनेश्वर बहुत प्रतिभाशाली हैं। वह एक बेहद कुशल गेंदबाज है।बदकिस्मती से वह लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर रहे हालांकि, अब उनका लौटना अच्छा है। मैं, उनके लिए बेहद खुश हूं क्योंकि उन्होंने अपने गेम और फिटनेस पर कड़ी मेहनत की है। उन्होंने आरसीबी के लिए दो ट्रॉफी जीतीं। उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की। मैं, उम्मीद करता हूं कि जब भुवनेश्वर को न्यूजीलैंड में अंतिम ग्यारह में खेलने का मौका मिलेगा तो वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे। भुवनेश्वर की वापसी अजीत अगरकर के चयन समिति का अध्यक्ष रहते नहीं हो सकी थी। अगरकर अच्छे प्रदर्शन के बावजूद पीछे मुड़कर देखने के पक्ष में नहीं थे। इस कारण मध्य क्षेत्र के चयनकर्ता रुद्र प्रताप सिंह को भुवनेश्वर को टीम में शामिल करने के मामले में ज्यादा समर्थन नहीं मिला था।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल डेका से कामधेनु विश्वविद्यालय के कार्य परिषद सदस्यों ने की भेंट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोक भवन में कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग के कार्य परिषद के सदस्यों ने भेंट की। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय की गतिविधियों तथा गोवंश संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। कार्य परिषद के सदस्यों ने राज्यपाल का ध्यान आकर्षित कराया कि देश के विभिन्न राज्यों में वहां के स्थानीय एवं देशी गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के अपने विशिष्ट देशी गोवंश 'कोसली' के संरक्षण, संवर्धन और उसकी नस्ल की पहचान को बढ़ावा देने के लिए भी प्रभावी पहल किए जाने की आवश्यकता है। राज्यपाल श्री डेका ने विषय को महत्वपूर्ण बताते हुए कोसली गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय गोवंश की नस्लों का संरक्षण हमारी जैव विविधता, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पशुपालन परंपरा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। इस अवसर पर कार्य परिषद के सदस्य श्री सुबोध राठी, डॉ. किरण बघेल, डॉ. भूभारती साहू और डॉ. रिपू सुदन राठौर उपस्थित थे।

राज्यपाल डेका द्वारा बाल कल्याण परिषद को ई रिक्शा प्रदत्त

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज लोकभवन में छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित मानसिक दिव्यांग बाल गृह एवं विशेष विद्यालय शिक्षा का मंदिर में पढ़ने वाले बच्चों के आवागमन की सुविधा हेतु ई रिक्शा प्रदान किया । ई रिक्शा की चाबी सौंपने के साथ ही श्री डेका ने हरी झंडी दिखाकर ई रिक्शा को लोकभवन से रवाना किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद के महासचिव श्री चंद्रेश शाह, उपाध्यक्ष डॉ. कमल वर्मा, कोषाध्यक्ष श्रीमती इंदिरा जैन, संयुक्त सचिव श्री प्रकाश अग्रवाल एवं श्री राजेंद्र कुमार निगम एवं श्री इन्द्रसेन वर्मा उपस्थित रहे।

व्याख्याता पदोन्नति के लिए ऑनलाइन ओपन काउंसिलिंग में 193 अभ्यर्थी हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ द्वारा व्याख्याता एवं व्याख्याता एल.बी. (टी-संवर्ग) के पद पर पदोन्नति उपरांत पदस्थापना के लिए मंगलवार को ऑनलाइन ओपन काउंसिलिंग शासकीश् शिक्षक शिखा महाविद्यालय शंकर नगर रायपुर में आयोजित की गई। शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय शंकर नगर, रायपुर में प्रातः 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक आयोजित काउंसिलिंग में कुल 209 अभ्यर्थियों में से 193 अभ्यर्थियों ने सहभागिता की। काउंसिलिंग में अभ्यर्थियों की उपस्थिति 92.34 प्रतिशत रही। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा एवं जिला शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से प्राप्त जानकारी के आधार पर विषयवार पदोन्नत व्याख्याताओं की काउंसिलिंग के लिए सूची दावा-आपत्तियों के निराकरण के बाद विभागीय पोर्टल eduportal.cg.nic.in पर 25 सितंबर 2026 को अपलोड की गई थी। ऑनलाइन ओपन काउंसिलिंग में उपस्थित अभ्यर्थियों को प्रक्रिया शुरू होने से पहले आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार काउंसिलिंग कराई गई। हिंदी विषय में कुल 74 अभ्यर्थियों में से 68 उपस्थित रहे और सभी 68 ने सहमति दी। अंग्रेजी विषय में 35 में से 29 अभ्यर्थी उपस्थित हुए, जिनमें 24 ने सहमति दी, 3 असहमत रहे और 2 ने पदोन्नति से इनकार किया। संस्कृत में 50 में से 48 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जिनमें 47 ने सहमति और एक ने पदोन्नति से इनकार किया। गणित में 50 में से 48 अभ्यर्थी उपस्थित हुए, जिनमें 46 ने सहमति दी, जबकि एक असहमत रहा और एक ने पदोन्नति से इनकार किया। इसी प्रकार कुल 209 अभ्यर्थियों में से 193 काउंसिलिंग में उपस्थित हुए।

अरपा को प्रदूषण से बचाने 70 नालों के उपचार की बनेगी समग्र कार्ययोजना

प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने की बिलासपुर नगर निगम के कार्यों की गहन समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने आज बिलासपुर नगर निगम में संचालित योजनाओं, विकास कार्यों एवं निर्माण कार्यों की गहन समीक्षा की। उन्होंने बिलासपुर कलेक्टोरेट में आयोजित बैठक में अरपा नदी को प्रदूषण से बचाने शहर के 70 छोटे-बड़े नालों के पानी के उपचार की समग्र कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए विस्तृत डीपीआर तैयार कर सभी तकनीकी पहलुओं का सूक्ष्म परीक्षण करने को कहा। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, एसएसपी श्री रजनेश सिंह, नगर निगम के आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे और सूडा के सीईओ श्री सुमित अग्रवाल भी बैठक में मौजूद थे। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने अरपा नदी में नालों के जरिए पहुंच रहे दूषित पानी को रोकने के लिए किए जा रहे उपायों की विस्तार से जानकारी ली। निगम के अधिकारियों ने बताया कि कुल 70 छोटे-बड़े नाले अरपा नदी में मिलते हैं। प्रमुख सचिव ने बैठक में कहा कि इन नालों के जरिए दूषित पानी सीधे नदी में न पहुंचे, इसके लिए प्रभावी और दीर्घकालीन समाधान जरूरी है।

नालों के पानी का समुचित उपचार कर ही नदी में प्रवाहित करने की व्यवस्था विकसित की जाए। उन्होंने डीपीआर तैयार करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक नाले की स्थिति और पानी की मात्रा का आकलन कर उपचार एवं आवश्यकतानुसार ठोस कार्ययोजना बनाई जाए। योजना तैयार करते समय तकनीकी व्यवहार्यता, भविष्य की जरूरतों और इसके दीर्घकालीन प्रभावों सहित सभी पहलुओं का परीक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि आने वाला समय पानी का है, इसलिए सतही जल स्रोतों की स्वच्छता और संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। प्रमुख सचिव ने शहर की साफ-सफाई और यातायात व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के लिए किए जा रहे प्रयासों को निरंतर बनाए रखना जरूरी है। नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे शहर की साफ-सफाई का स्तर लगातार बेहतर हो। यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने नगरीय निकायों में संचालित केंद्र एवं राज्य प्रवर्तित योजनाओं की प्रगति की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए और सभी स्वीकृत कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं। नगरीय सेवाओं से जुड़ी परियोजनाओं को लंबे समय तक उपयोगी बनाए रखने पर जोर देते हुए उन्होंने आवश्यकतानुसार सौर ऊर्जा आधारित परियोजनाओं की संभावनाओं पर भी काम करने को कहा। बैठक में प्रमुख सचिव ने निर्माणाधीन एजुकेशन हब नालंदा परिसर की प्रगति की भी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि 500 लोगों की बैठक क्षमता वाले नालंदा परिसर को आधुनिक शैक्षणिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रथम तल के स्लैब का कार्य पूरा हो गया है तथा द्वितीय तल के स्लैब का कार्य लगभग 50 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। प्रमुख सचिव ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए इसे निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। श्री बोरा ने मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना और नगरीय अधोसंरचना से जुड़े कार्यों की भी समीक्षा की। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि बिलासपुर में अधोसंरचना मद के अंतर्गत कुल 542 कार्य स्वीकृत हैं। इनमें 334 कार्य पूर्ण हो चुके हैं, 182 प्रगतिरत हैं तथा 26 कार्य अप्रारंभ हैं। प्रमुख सचिव ने प्रगतिरत कार्यों में तेजी लाते हुए गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए। समीक्षा बैठक के बाद प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, एसएसपी श्री रजनेश सिंह और निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे के साथ तारबाहर स्थित कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान आईटीएमएस की पूरी कार्यप्रणाली व संचालन को देखा।

राज्यपाल रमेन डेका से महाराजा कमल चंद्र भंज देव ने की भेंट बस्तर दशहरा के प्रमुख आयोजनों में शामिल होने राज्यपाल को दिया आमंत्रण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोक भवन में बस्तर राज परिवार के माटी पुजारी एवं रथपति महाराजा श्री कमल चंद्र भंज देव ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को बस्तर के प्रसिद्ध ऐतिहासिक दशहरा उत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। राज्यपाल को श्री भंज देव ने दशहरा उत्सव के अंतर्गत आयोजित होने वाले महाराजा नवाखाई एवं महाराजा बाहर रहनी कार्यक्रमों में शामिल होने का निमंत्रण दिया। उन्होंने बस्तर दशहरा की विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं तथा उत्सव के विभिन्न आयोजनों की जानकारी भी राज्यपाल को दी। राज्यपाल श्री डेका ने आमंत्रण के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और लोक आस्था का प्रतीक है। इसकी अनूठी परंपराएं प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं।

सेवा की कहानी: मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल मिलने से देवप्रसाद की राह हुई आसान

अब रोजमर्रा के कामों के लिए नहीं रहना पड़ेगा दूसरों पर निर्भर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कभी घर से बाहर निकलने के लिए किसी दूसरे का सहारा लेना पड़ता था। जरूरी काम हो या रोजमर्रा की जरूरत, आने-जाने की परेशानी हमेशा सामने रहती थी। लेकिन सेवा संकल्प अभियान के तहत शासन-प्रशासन से मिली मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल ने देवप्रसाद के लिए आवागमन को आसान करने के साथ आत्मनिर्भरता की नई राह खोल दी है। रायगढ़ जिले के गांधीनगर के दिव्यांग श्री देवप्रसाद चौहान बताते हैं कि पहले बिना ट्राइसाइकिल के कहीं आना-जाना उनके लिए काफी मुश्किल था। दैनिक जीवन के छोटे-छोटे कामों के लिए भी दूसरे लोगों पर निर्भर रहना पड़ता था। कई बार जरूरी काम होने के बावजूद आवागमन की परेशानी के कारण दूसरों की मदद का इंतजार करना पड़ता था। अब मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल मिलने के बाद उनके चेहरे पर आत्मविश्वास दिखाई देता है। वे कहते हैं कि इस सुविधा से अब अपने निजी काम हों या अन्य आवश्यकताएं, वे पहले की तुलना में अधिक स्वतंत्र होकर घर से बाहर निकल सकेंगे।

देवप्रसाद के लिए यह ट्राइसाइकिल सिर्फ

आने-जाने का साधन नहीं, बल्कि दूसरों पर निर्भरता कम करने और अपने काम स्वयं करने का जरिया बनी है। यह सुविधा उनके जीवन में सहजता के साथ आत्मविश्वास भी लेकर आई है। मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल मिलने पर देवप्रसाद ने शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देते हुए कहा कि शासन की इस सहायता से उन्हें अपने दैनिक जीवन में काफी सुविधा मिलेगी।

सेवा संकल्प अभियान से जरूरतमंदों तक पहुंच रही मदद

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में 1 से 7 अक्टूबर तक विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से पात्र नागरिकों को विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं को जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने के साथ उन्हें सुविधा, सम्मान और आत्मनिर्भरता से जोड़ना है।

जिला अस्पताल में 87 वृद्धजनों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, जरूरतमंदों को वितरित किए गए छड़ी और वॉकर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत रायगढ़ जिले में 1 से 15 अक्टूबर तक अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को किरोड़ीमल जिला चिकित्सालय में वृद्धजनों के सम्मान एवं स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने वृद्धजनों का सम्मान करते हुए उनके बेहतर स्वास्थ्य एवं सुखद जीवन की कामना की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री अभिजीत बबन पठारे, नगर निगम आयुक्त श्री बृजेश सिंह क्षत्रिय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत, सिविल सर्जन डॉ. दिनेश कुमार पटेल, डीपीएम सुश्री रंजना पैकरा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 87 वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यक

चिकित्सकीय सेवाएं एवं परामर्श उपलब्ध कराया गया। जरूरतमंद 15 वृद्धजनों को छड़ी और 6 वृद्धजनों को वॉकर प्रदान किए गए। वहीं 60 वृद्धजनों को श्रीफल एवं शॉल भेंटकर सम्मानित किया गया। वृद्धजनों की हड्डियों की मजबूती की जांच के लिए निःशुल्क बीएमडी (बोन मिनरल डेंसिटी) जांच की सुविधा भी रखी गई, जिसका लगभग 100 वृद्धजनों ने लाभ लिया। जांच के साथ वृद्धजनों को हड्डियों एवं जोड़ों की देखभाल तथा बढ़ती उम्र में शारीरिक सक्रियता बनाए रखने के संबंध में चिकित्सकीय जानकारी दी गई। अस्थिरोग विभागाध्यक्ष डॉ.राज कुमार गुप्ता ने हड्डियों एवं जोड़ों की देखभाल और उनसे संबंधित समस्याओं से बचाव के उपायों की जानकारी दी। वहीं फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. सिद्धार्थ सिन्हा एवं डॉ. श्यामजीत किंडो ने वृद्धजनों को उपयोगी व्यायामों का प्रदर्शन कराते हुए उनका अभ्यास कराया। इसमें जोड़ों की गतिशीलता, सुरक्षित चलने तथा उठने-बैठने से जुड़े व्यायाम शामिल रहे। विशेषज्ञों ने वृद्धजनों को अपनी शारीरिक क्षमता के अनुसार नियमित व्यायाम करने और आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सकीय परामर्श लेने की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा वृद्धजनों की स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया गया। फिजियोथेरेपी सेवाओं के साथ जरूरतमंद वृद्धजनों को सहायक उपकरण भी वितरित किए गए। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन पखवाड़े के तहत जिला चिकित्सालय में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वृद्धजन शामिल हुए।

बुनगा के पांच आंगनबाड़ी केंद्रों में हुआ आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत रायगढ़ जिले के विकासखंड पुसौर के ग्राम बुनगा के पांच आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सरपंच श्री बेदप्रकाश साव ने केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं एवं बच्चों के लिए संचालित योजनाओं का लाभ लेने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया। महिला एवं बाल विकास विभाग की श्रीमती पुष्पमती चौहान तथा आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय नायक ने अपने-अपने विभाग की योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी दी। आयुर्वेद विभाग द्वारा कार्यक्रम में शामिल महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण

किया गया तथा आवश्यकता अनुसार औषधियों का वितरण किया गया। साथ ही स्वस्थ जीवनशैली और नियमित स्वास्थ्य देखभाल के संबंध में आवश्यक समझाइश दी गई। कार्यक्रम के दौरान 6 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और 5 बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया। वहीं 2 बालिकाओं के सुकन्या समृद्धि योजना के तहत डाकघर में खाते खोले गए। पांचों आंगनबाड़ी केंद्रों में न्यौता भोज का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं एवं ग्रामीणों को नशामुक्ति और स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर स्वस्थ एवं स्वच्छ समाज के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता के महत्व पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में उपसरपंच श्री दीनबंधु साव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अनिता, चित्रा, हरिप्रिया, रामेश्वरी एवं उमा सहित सहायिकाओं, मितानिन, फार्मासिस्ट भोज मालाकार, ग्रहण, योग प्रशिक्षक दुलामनी रजक तथा अन्य जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने पीएम आवास और ई-बस सेवा के निर्माणाधीन कार्यों का किया निरीक्षण

कार्यों में तेजी लाने और 15 दिनों में कमियां दूर करने के दिए निर्देश कार्यों की प्रगति और निर्माण की गुणवत्ता का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने आज बिलासपुर के सकरी में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत निर्मित आवासों और कोनी में पीएम ई-बस सेवा के लिए निर्माणाधीन टर्मिनल एवं चार्जिंग स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों परियोजनाओं की प्रगति एवं निर्माण की गुणवत्ता का जायजा लिया और अधिकारियों को कमियां दूर कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। सूडा के सीईओ श्री सुमित अग्रवाल और बिलासपुर नगर निगम के आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी निरीक्षण के दौरान मौजूद थे। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने सकरी में प्रधानमंत्री आवास योजना के एएचपी घटक के तहत बनाए गए आवासों के निरीक्षण के दौरान फ्लोर पर टाइल्स नहीं लगे होने और फिनिशिंग कार्य अधूरा मिलने पर नाराजगी जताई। उन्होंने नगर निगम के इंजीनियरों तथा निर्माण एजेंसीज को कमियों में तत्काल सुधार करते हुए फिनिशिंग कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने किचन और प्लेटफॉर्म के आकार को लेकर भी अधिकारियों से सवाल-जवाब किए तथा निर्माण में उपयोग की गई सामग्री एवं अब तक हुए कार्यों की जानकारी ली। श्री बोरा ने आवासीय परिसर में बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने परिसर में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था करने, लोगों के बैठने के लिए कुर्सियां लगाने और बच्चों के लिए खेल क्षेत्र विकसित करने को कहा। प्रमुख सचिव ने शेष कार्यों में तेजी

लाने के निर्देश देते हुए 15 दिनों बाद प्रगति की पुनः समीक्षा करने की बात कही। सकरी में करीब 11 करोड़ 75 लाख रुपए की लागत से 261 आवास तैयार किए गए हैं, जिनमें अंतिम चरण के फिनिशिंग कार्य शेष हैं। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने कोनी स्थित सिटी बस डिपो पहुंचकर पीएम ई-बस सेवा के तहत निर्माणाधीन टर्मिनल कॉम्प्लेक्स, सब-स्टेशन एवं चार्जिंग स्टेशन का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने बसों के लिए बनाए गए स्टॉप को व्यवस्थित करने और वहां डिस्प्ले बोर्ड लगाने के निर्देश दिए, ताकि यात्रियों को बसों के समय एवं आवागमन की जानकारी आसानी से मिल सके। पीएम ई-बस सेवा के तहत बिलासपुर में 50 वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें संचालित की जाएंगी। इनमें 9 मीटर की 35 और 7 मीटर की 15 बसें शामिल हैं। इन बसों का संचालन शहर के 12 मार्गों पर किया जाएगा। मार्ग निर्धारण में स्कूल, कॉलेज, औद्योगिक एवं व्यावसायिक क्षेत्र, पर्यटन स्थल तथा उच्च न्यायालय तक आवागमन की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। ई-बसों के संचालन के लिए कोनी स्थित सिटी बस डिपो में टर्मिनल कॉम्प्लेक्स, सब-स्टेशन एवं चार्जिंग स्टेशन के निर्माण के लिए 11 करोड़ 45 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इसमें सिविल अधोसंरचना निर्माण के लिए 8 करोड़ 37 लाख रुपए, सब-स्टेशन के लिए 1 करोड़ 59 लाख रुपए तथा उच्च दाब विद्युत कनेक्शन के लिए 1 करोड़ 49 लाख रुपए का प्रावधान है। वर्तमान में सिविल अधोसंरचना निर्माण का लगभग 70 प्रतिशत और सब-स्टेशन निर्माण का 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। उच्च दाब विद्युत कनेक्शन के लिए आवश्यक अधोसंरचना का निर्माण सीएसपीडीसीएल द्वारा किया जाएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए टर्मिनल कॉम्प्लेक्स में कैफेटेरिया एवं रैनबसेरा विकसित करने की भी योजना है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा